सतना

26 नवंबर 2025 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

राम मंदिर के शिखर पर 22 फीट लंबी और 11 फीट चौड़ी धर्मध्वजा लहरा रही है।

अयोध्या राम मंदिर पर फहराई धर्मध्वजा, मोदी भावुक हुए

बोले- अब मानसिक गुलामी से मुक्ति का लक्ष्य; इसने राम को भी काल्पनिक बता दिया

अयोध्या,एजेंसी। पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि धर्म ध्वजा पर कोविदार वृक्ष बना है। जब भरत अपनी सेना के साथ चित्रकूट पहुंचे, तब लक्ष्मण ने दूर से ही अयोध्या की सेना को पहचान लिया। इसका वर्णन वाल्मीकि जी ने किया है। लक्ष्मण कहते हैं कि सामने जो ध्वज दिख रहा है, वह अयोध्या का धर्म ध्वज है, जिस पर कोविदार वृक्ष बना है। यह वृक्ष अपने को याद दिलाता है कि जब हम इसे भूलते हैं, तब अपनी पहचान खो देते हैं।

आज से 190 साल पहले 1835 में मैकाले नाम के एक अंग्रेज ने भारत में मानसिक गुलामी की नींव रखी। आने वाले 10 वर्षों में उसके 200 साल होने वाले हैं। हमने संकल्प लिया है कि आने वाले 10 वर्षों में हम मानसिक गुलामी की मानसिकता से मुक्ति दिलाकर रहेगें।

मानसिक गुलामी ने राम को भी काल्पनिक बता दिया:पीएम ने आगे कहा कि अभी गुलामी की इस मानसिकता ने डेरा डाला हुआ है। हमने नौसेना के ध्वज से गुलामी की मानसिकता को हटाया। ये गुलामी की मानसिकता ही है, जिसने राम को नकारा है। भारतवर्ष के कण-कण में भगवान राम हैं। लेकिन, मानसिक गुलामी ने राम को भी काल्पनिक बता दिया। आने वाले एक हजार वर्ष के

लिए भारत की नींव तभी मजबूत होगी, जब आने वाले 10 साल में हम मैकाले की मानसिक गुलामी से छुटकारा पा लेंगे। 21वीं सदी की अयोध्या विकसित भारत का मेरुदंड बनकर उभर रही है।

उन्होंने कहा कि अयोध्या में आज शानदार रेलवे स्टेशन है। वंदे भारत और अमृत भारत जैसी ट्रेनें हैं। जब से रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई है, तब से 45 करोड़ श्रद्धालु यहां दर्शन को आ चुके हैं। इससे अयोध्या व आसपास के लोगों का आर्थिक विकास हुआ है। 21वीं सदीं का आने वाला समय काफी महत्वपूर्ण है। पिछले 11 साल में भारत विश्व की पांचवी अर्थव्यवस्था बन गया है। वह दिन दूर नहीं जब भारत जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था बन जाएगा। सियावर रामचंद्र के जयघोष के साथ पीएम मोदी ने अपना संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि आज संपूर्ण भारत, संपूर्ण विश्व राममय है। सदियों के घाव भर रहे हैं। सदियों की वेदना आज विराम पा रही है। सदियों का संकल्प आज सिद्धि को प्राप्त हो रहा है। आज धर्म ध्वजा की मंदिर में स्थापना हुई है। इसका भगवा रंग, सूर्य का चिन्ह, कोविदार वृक्ष रामराज्य की कीर्ति को दर्शाता है। सत्य में ही ध्वज स्थापित है। ये धर्म ध्वज प्रेरणा बनेगा। प्राण जांए पर वचन न जाए, अर्थात जो कहा जाए, वही किया जाए।

इस अवसर पर देश-दुनिया से आए संत-महंत, विशिष्ट अतिथि और हज़ारों श्रद्धालु मौजूद रहे। सुरक्षा के कड़े इंतज़ामों के बीच राम नगरी उत्सव के रंग में डूबी रही। मंदिर परिसर से लेकर सरयू तट तक हर ओर दीप, पुष्प और रंगोलियों से सजा माहौल इस ऐतिहासिक उत्सव का साक्षात अनुभव करा रहा था। चार से पांच मिनट के संक्षिप्त ध्वजारोहण अनुष्ठान में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्रधानमंत्री ने बटन दबाकर ध्वज फहराया। सात हजार अतिथि समारोह के साक्षी बने।, जिनमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, , धर्मगुरु, व्यापार जगत के प्रमुख नाम, दलित, वंचित, किन्नर और अघोरी समुदाय के प्रतिनिधि शामिल रहे।

हर कालखंड में राम के विचार ही हमारी प्रेरणा बनेंगे :पीएम मोदी ने कहा- हर कालखंड में राम के विचार ही हमारी प्रेरणा बनेंगे। विकसित भारत की यात्रा को गति देने के लिए ऐसा रथ चाहिए, जिसके पहिये शौर्य और धैर्य हों। ऐसा रथ जिसकी ध्वजा नीति, नीयत से समझौता नहीं करे। ऐसा रथ जिसके घोड़े बल, विवेक, संयम और परोपकार हो। ऐसा रथ जिसकी लगाम क्षमा, करुणा और संभाव हो, जहां सफलता का अंहकार नहीं, असफलता में भी दूसरों के प्रति सम्मान बना रहे।

आज हम सबके लिए सार्थकता का दिन: मोहन भागवत

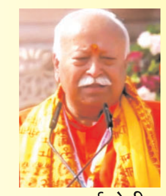

इस मौके पर आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि आज हम सबके लिए सार्थकता का दिन है। इसके लिए जितने लोगों ने प्राण न्योछावर किए, उनकी आत्मा तृप्त हुई होगी। अशोक जी को वहां पर शांति मिली होगी। आज मंदिर का ध्वजारोहण हो गया। रामराज्य का ध्वज, जो कभी अयोध्या में फहराता था, आज वह फहरा गया है। इस भगवा ध्वज पर रघुकुल का प्रतीक कोविदार वृक्ष है। यह वृक्ष रघुकुल की सत्ता का प्रतीक है। यह वह वृक्ष है जिसके लिए कहा जाता है, कि वृक्ष सबके लिए छाया देते हैं, स्वंय धूप में खड़े रहकर। फल भी दूसरों के लिए देते हैं। ध्वज पर बने सूर्य भगवान संकल्प का प्रतीक हैं। जैसा सपना उन (राम मंदिर के लिए संघर्ष करने वाले लोगों ने) लोगों ने देखा था, बिल्कुल वैसा ही या यूं कहें कि उससे भी भव्य मंदिर बन गया है।

सीएम योगी के संबोधन में दिखी नई उर्जा

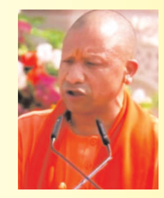

इस मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ के संबोधन में एक नई उर्जा दिखाई दी। उन्होंने कहा कि मंदिर के शिखर पर फहरा रहा यह केसरिया ध्वज नए भारत का प्रतीक है। पिछले 500 वर्षों में साम्राज्य और पीढ़ियां बदल गईं। लेकिन, आस्था न झुकी, न रुकी। जब आरएसएस के हाथ में कमान आई तो सिर्फ एक ही आवाज गूंजती रही। रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे... लाठी गोली खाएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे

धर्म, ईमानदारी, न्याय और राष्ट्र धर्म का प्रतीक है यह भगवा झंडा :सीएम ने आगे कहा कि यह भव्य मंदिर 140 करोड़ भारतीयों की आस्था और स्वाभिमान का प्रतीक है। मैं उन सभी कर्मयोगियों को बधाई देता हूं जिन्होंने इसके लिए अपना बलिदान दिया। यह झंडा इस बात का सबूत है कि धर्म की रोशनी अमर है। रामराज्य के सिद्धांत हमेशा रहने वाले हैं।

असम सीएम विधानसभा में बोले- सिंगर जुबीन का मर्डर हुआ

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को विधानसभा में बताया कि सिंगर जुबीन गर्ग की मौत कोई हादसा नहीं, बल्कि हत्या थी। सरमा ने कहा कि यह गैर इरादतन हत्या या आपराधिक साजिश नहीं, बल्कि साफ-साफ मर्डर था। सीएम ने दावा किया कि एक आरोपी ने सिंगर की जान ली। वहीं अन्य लोगों ने हत्या में उसकी मदद की।

असम विधानसभा में विपक्षी पार्टियां जुबीन की मौत पर चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव लेकर आया था। जिस पर सीएम सरमा ने आज विधानसभा में शीतकालीन सत्र के पहले दिन जवाब दिया।

रायसेन के गौहरगंज में बच्ची से रेप, तीन दिन से धरने पर बैठे लोग

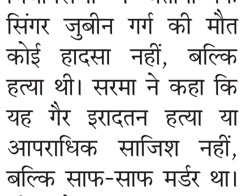

रायसेन, एजेंसी। रायसेन के गौहरगंज में 6 साल की बच्ची से दुष्कर्म का आरोपी 4 दिन बाद भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। आरोपी के एनकाउंटर की मांग को लेकर लोग तीन दिन से गौहरगंज थाने के सामने धरना दे रहे हैं।

रात में कड़ाके की ठंड के बावजूद युवतियां और महिलाएं धरने से नहीं उठीं। आरोपी पर 20 हजार रुपए का इनाम घोषित है। इससे पहले सोमवार को घटना के विरोध में उग्र प्रदर्शन किया गया था। डीआईजी प्रशांत खरे ने बताया, आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 20 टीमें लगाई गई हैं।

पीएम मोदी ने शहीदी दिवस पर सिक्का जारी किया:

कुरुक्षेत्र में बोले- नया भारत न डरता है, न रुकता है, ऑपरेशन सिंदूर इसका सबसे बड़ा उदाहरण

कुरुक्षेत्र,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र में ज्योतिसर अनुभव केंद्र का लोकार्पण और पाञ्चजन्य शंख स्मारक का शुभारंभ किया। इसके बाद पीएम श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर हो रहे समागम में पहुंचे। उन्होंने श्री गुरु तेग बहादुर जी को समर्पित किताब का विमोचन किया और सिक्का भी रिलीज किया।

पीएम ने संबोधित करते हुए कहा- गुरु तेग बहादुर जी भी सत्य और न्याय को अपना धर्म माना और इसकी रक्षा के लिए अपने प्राण तक दे दिए।जब नौंवी पातशाही गुरु तेग बहादुर यहां आए, तो उन्होंने यहां अपनी साहसिक छाप छोड़ी।

हम न किसी को डराते हैं, न किसी से डरते हैं। यही मंत्र गुरुओं ने दिया। हम शांति चाहते हैं, लेकिन अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करते। ऑपरेशन सिंदूर इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। ये पूरे विश्व ने देखा है। नया भारत न डरता है, न रुकता है, आज भारत पूरी शक्ति के साथ आगे बढ़ रहा है।

कहा- गुरुओं की सीख अपनाएं युवा

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि मैं आज एक ऐसे विषय पर बात करना चाहता हूं जो युवाओं से जुड़ा है। मैं नशे पर बात करना चाहता हूं। आज इस समस्या ने युवाओं को अंधेरे से घेर दिया है। सरकार प्रयास कर रही है, लेकिन ये समाज की भी लड़ाई है। ऐसे समय में गुरु तेग बहादुर की शिक्षा हमारे लिए प्रेरणा भी है और समाधान भी है। उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान अनेकों को अपने साथ जोड़ा। इन गांवों में रहने वाले लोगों ने हर तरह के नशे के खेतों को छोड़ा। गुरु महाराज के बताए इसी मार्ग पर चलते हुए हम नशे के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने का काम करें तो ये समस्या जड़ से समाप्त हो जाएगी।

अब प्रधानमंत्री इंटरनेशनल गीता जयंती महोत्सव में शामिल होंगे। साथ ही ब्रह्मसरोवर पर संध्याकालीन आरती में हिस्सा लेंगे।

सुप्रीम कोर्ट बोला- सहमति से संबंध और रेप में अंतर

रिलेशनशिप टूटने पर आरोप नहीं लगा सकते शादी के वादे पर संबंध बना, साबित करना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक मामले में फैसला सुनाते हुए कहा कि लंबे समय तक सहमति से बना रिश्ता टूट जाए, शादी न हो पाए तो ऐसे हालात में इसे रेप नहीं माना जा सकता। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि ऐसे मामलों में कानून का गलत इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। रेप जैसे आरोप तभी लगाए जाएं जब वास्तव में जबरदस्ती, डर, दबाव या सहमति की कमी हो।

इस टिप्पणी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट का फैसला बदलते हुए एक वकील के

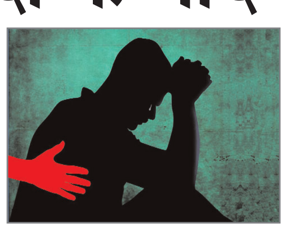

खिलाफ IPC की धारा 376, 376(2)(n) और 507 में दर्ज FIR और चार्जशीट रद्द कर दी। वकील पर एक महिला ने शादी का झूठा वादा करके बार-बार रेप करने का आरोप लगाया था।

वकील ने औरंगाबाद के बॉम्बे हाईकोर्ट को मार्च 2025 के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने अगस्त 2024 में उसके खिलाफ दर्ज FIR को रद्द करने से इनकार कर दिया था।

तीन साल चला रिश्ता, शादी नहीं हुई तो रेप का आरोप : शिकायतकर्ता महिला ने पहले अपने पति पर केस किया था और मेंटेनेंस की मांग की थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात अपीलकर्ता वकील से हुई। दोनों के बीच साल 2022 से मई 2024 तक संबंध थे। दोनों के बीच नजदीकियां भी बढ़ीं। इसी बीच जब अपीलकर्ता ने शादी की बात कही तब महिला ने अपने पिछले वैवाहिक विवाद के कारण शुरू में वकील के प्रस्ताव को मना कर दिया था। अपीलकर्ता वकील ने कहा कि महिला ने उससे 1.5 लाख मांगे थे।

सीजेआई बोले- सेना सेक्युलर, इसमें अनुशासन सर्वोपरि

ईसाई अफसर का बर्खास्तगी का आदेश बरकरार, आर्मी की धार्मिक परेडों में शामिल होने से मना किया था

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को भारतीय सेना के ईसाई अफसर सैमुअल कमलेसन की बर्खास्तगी को सही ठहराया। अफसर पर आरोप था कि उन्होंने अपनी रेजिमेंट की साप्ताहिक धार्मिक परेडों और मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश करने से इनकार किया था। मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि यह आचरण गंभीर अनुशासनहीनता है और सेना जैसी संस्था में ऐसी हरकतें बर्दाशत नहीं की जा सकतीं। आपने अपने सैनिकों की भावनाओं का सम्मान नहीं किया। आपको धार्मिक अहंकार इतना अधिक कि दूसरों की परवाह ही नहीं थी? इससे पहले 19 नवंबर को सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने भी माना था कि अफसर के व्यवहार से आचरण रेजीमेंट की एकजुटता, अनुशासन और सेक्युलर मूल्यों को नुकसान पहुंचा। कोर्ट ने सेना में ऐसे व्यवहार को युद्ध स्थितियों में नुकसानदेह बताया था।

आतंकी डॉ. शाहीन की अल-फलाह यूनिवर्सिटी में नंबर-3 पोजीशन

● **एमबीबीएस स्टूडेंट्स की ट्रेनिंग और नियम बनाने का जिम्मा था; माइनॉरिटी दर्जा खतरे में**

फरीदाबाद, एजेंसी। आतंकी मॉड्यूल से जुड़ी डॉ. शाहीन सईद अल-फलाह यूनिवर्सिटी में भी अहम रोल में थी। वो यूनिवर्सिटी की करिकुलम कमेटी में नंबर-3 की पोजिशन पर थी। इस कमेटी के जिम्मे मेडिकल छात्रों की पढ़ाई से जुड़े नियम व तौर-तरीकों का निर्धारण करना, सिलेबस में सुधार या बदलाव का प्रस्ताव देना, MBBS स्टूडेंट्स की प्रैक्टिकल व क्लिनिकल ट्रेनिंग के मानक तय करना शामिल है। इसके अलावा यह कमेटी मेडिकल एजुकेशन यूनिट के माध्यम से शिक्षकों के मॉड्यूल और ट्रेनिंग का रोडमैप तैयार करती है। जांच एजेंसियों को शक है कि डॉ. शाहीन अपने पद का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कर रही थी। डॉ. शाहीन अपने पद के दम पर दूसरे लोगों का माइंडवॉश कर रही थी।

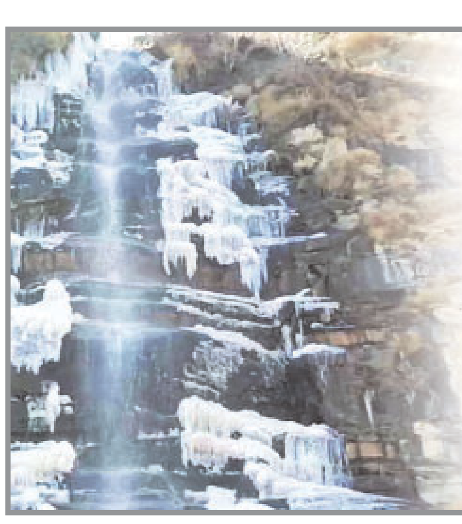

राजस्थान-म.प्र. के 16 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे

बिहार में पटना सहित 10 शहरों में घना कोहरा; बद्रीनाथ में माइनस 12डिग्री पारा, नदी-झरने जमे

भोपाल/जयपुर/देहरादून, एजेंसी। देश के पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी और सर्द हवाओं से मैदानी राज्यों में ठिठुरन बढ़ने लगी है। राजस्थान में सोमवार को कोटा, उदयपुर समेत कई जिलों में दिन के तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हुई। 10 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से कम रहा। फतेहपुर में सबसे कम, 5.8 डिग्री तापमान दर्ज हुआ।

मध्य प्रदेश में भी सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। नौगांव, राजगढ़, नरसिंहपुर और रीवा में सोमवार को तापमान 8 से 10 डिग्री के बीच रहा। भोपाल सहित कई जिलों में लगातार तीसरे दिन बादल छाए रहे। मौसम विभाग ने राज्य में अगले चार दिन तक शीतलहर से राहत की संभावना जताई है। इधर, बिहार में सर्दी के साथ घने कोहरे का असर

बढ़ गया है। बीते दिन, पटना, खगड़िया, गोपालगंज, सारण, बेगूसराय समेत 10 शहरों में सुबह-सुबह घना कोहरा देखने को मिला। कई जगह विजिबिलिटी 100-200 मीटर तक दर्ज की गई। इससे सड़कों पर दिन में भी गाड़ियों की लाइटें जलानी पड़ी। उत्तराखंड में पारा गिरने के साथ सर्द हवाएं चल रही हैं। बद्रीनाथ में सोमवार को तापमान माइनस 12 डिग्री पहुंच गया। यहां नदी और झरने जम गए हैं। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी की आशंका जताई है।

तमिलनाडु में तेज बारिश, मदुरै में स्कूल-कॉलेज बंद तमिलनाडु के कई जिलों में सोमवार सुबह से ही बारिश हो रही है। पुडुचेरी और कराईकल के कई इलाकों में पानी भर गया है। भारी बारिश के चलते मदुरै में स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। मौसम विभाग के अनुसार अगले 2 दिन तमिलनाडु में बारिश का मौसम बना रहेगा।

सास का कत्ल :लाश संग छोटे बेटे की शादी के लिए आए कपड़े भी जलाए

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली से रूह कंपाने वाला हत्याकांड सामने आया है। उत्तरी दिल्ली के वजीराबाद इलाके में गर्भवती महिला ने प्रॉपर्टी के लालच में सास को नींद की गोलियां देने के बाद हथौड़े से ताबड़तोड़ वारकर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद केरोसिन डालकर शव को जला दिया। उत्तरी दिल्ली के वजीराबाद इलाके में गर्भवती ने प्रॉपर्टी के लालच में सास को नींद की गोलियां देने के बाद हथौड़े से ताबड़तोड़ वारकर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद केरोसिन डालकर शव को जला दिया। घर से धुआं उठता देखकर मौके पर पहुंचे पड़ोसियों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। कमरे में बुजुर्ग का जला हुआ शव देखकर लोगों के होश उड़ गए। क्राइम टीम और एफएसएल की जांच पड़ताल में सामने आया कि बहू आफरीन गुमराह करने के लिए लूटपाट का सीन भी तैयार किया। लेकिन बाद में वह टूट गई और उसने हत्या की बात स्वीकार कर ली। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया लिया है। बहू आफरीन ने बताया कि उसे लगता था कि उसकी सास नसरीन बेगम (65) सारी प्रॉपर्टी अपने छोटे बेटे रिजवान के नाम कर देगी। इसी बात पर उसने सास की हत्या की योजना बनाई और वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने मकान से वारदात में इस्तेमाल खून से सना हथौड़ा भी बरामद कर लिया है।

बुजुर्ग के चार बेटे: उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि नसरीन अपने परिवार के साथ गली नंबर-5, संगम विहार, वजीराबाद में रहती थीं। इनके पति इश्तियाक की कई साल पहले मौत हो गई थी। परिवार में चार बेटे रेहान, अदनान, सलमान और रिजवान हैं। रेहान अपने परिवार के साथ इंद्रलोक में रहते हैं। उनका फुटवेयर का काम है।

इसी साल अप्रैल में हुई थी सलमान और आफरीन की शादी: वहीं संगम विहार स्थित मकान में ग्राउंड फ्लोर पर अदनान रहते हैं। दूसरी ओर सलमान और उसकी पत्नी मकान की दूसरी मंजिल पर रहते थे। इसी साल अप्रैल में सलमान और आफरीन की शादी हुई थी। फिलहाल आफरीन पांच माह की गर्भवती है। सबसे छोटा बेटा रिजवान सरकारी स्कूल में टीचर है और वह मां के साथ रहता है।

बेटे रिजवान की शादी को लेकर काफी खुश थीं नसरीन: बुजुर्ग नसरीन अपने छोटे बेटे रिजवान की शादी को लेकर काफी खुश थीं। हर किसी रिश्तेदार से बस यही कहती थीं कि उसके घर की आखिरी शादी है, वह अपने सारे अरमान इस शादी में पूरी करेगी। वह बेटे की शादी के लिए खरीदारी करने में लगी थी। 7 जनवरी 2026 को बेटे रिजवान की शादी होने वाली थी। शायद आफरीन को यह बात खटक रही थी। बुजुर्ग नसरीन की हत्या करने के बाद रिजवान की शादी के लिए लाए कपड़ों को अपनी सास के शव पर डाल दिया। इसके बाद केरोसिन डालकर शव को आग लगा दी। पुलिस टीम मौके पर जले हुए नए कपड़े व अन्य सामान भी बरामद हुए थे।

लूट का सीन बनाने के लिए बिखेर दिए थे घर के सामान: आफरीन ने लूट का सीन तैयार करने के लिए घर का सामान इधर-उधर फैला दिया था। यहां तक अपनी फ्लोर पर भी उसने अलमारियों से कपड़े निकालकर फर्श पर फैला दिए। आफरीन ने बताया कि 19 नवंबर की सुबह उसका पति, जेठ और देवर सभी अपने-अपने कामों पर चले गए। घर में वह और सास बचे। सबसे पहले उसने चाय में नींद की गोलियां मिलाकर सास को दे दी। नसरीन चाय पीते ही कुछ देर में अचेत हो गई। इसके बाद आरोपी ने पहले सास के हाथ बांधे। आफरीन ने एक हथौड़े का भी इंतजाम किया हुआ था।

दरवाजा बंद होने से दूसरे की छत से दाखिल हुए पड़ोसी: वारदात को अंजाम देते समय उसने अंदर से कुंडी लगा ली। पड़ोसी मदद को आए तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। पड़ोसी दूसरे मकान की छत से घर में दाखिल हुए। बाल्टियों की मदद से आग पर काबू पाया गया। इसके बाद पुलिस को खबर दी गई।

लूटपाट की कहानी गढ़कर किया गुमराह : पुलिस उपायुक्त ने बताया कि 19 नवंबर की सुबह मकान की पहली मंजिल पर आग लगने की सूचना मिली थी। पुलिस ने आफरीन से पूछताछ की तो उसने बताया कि घर में चार बदमाश घुस गए थे। इन लोगों ने सास नसरीन की पिटाई करने के बाद लूटपाट की। वारदात के दौरान वह बेहोश हो गई। बदमाश घर में आग लगाकर वहां से फरार हो गए।

वारदात में किसी और के भी शामिल होने की आशंका: परिजनों ने आशंका जताई है कि अकेले आफरीन खुद इतनी बड़ी वारदात को अंजाम नहीं दे सकती है। हत्या की वजह भी प्रॉपर्टी नहीं कुछ और है।

कोस्ट गार्ड में रैंक के आधार पर अलग रिटायरमेंट उम्र असंवैधानिक

दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय तटरक्षक बल (कोस्ट गार्ड) के सामान्य नियम-1986 के उन प्रावधानों को असांविधानिक घोषित कर दिया, जिनमें रैंक के आधार पर अलग-अलग सेवानिवृत्ति आयु निर्धारित की गई है। कोर्ट ने कहा, कमांडेंट एवं उससे नीचे के रैंक के अधिकारियों को 57 वर्ष में जबकि उससे ऊपर के अधिकारियों को 60 वर्ष में रिटायर करने का प्रावधान संविधान के अनुच्छेद-14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद-16 (सार्वजनिक रोजगार में अवसर की समानता) का स्पष्ट उल्लंघन है।

जस्टिस सी हरि शंकर और जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला की खंडपीठ ने मामले में कई याचिकाओं को स्वीकार करते हुए कोस्ट गार्ड (सामान्य) नियम, 1986 के नियम 20(1) और 20(2) को आंशिक रूप से रद्द कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि कमांडेंट एवं उससे नीचे के रैंक के अधिकारियों तथा भर्ती कर्मियों की सेवानिवृत्ति आयु 57 वर्ष निर्धारित करने वाले प्रावधान संविधान की कसौटी पर खरे नहीं उतरते, इसलिए इन्हें निरस्त किया जाता है। अब तटरक्षक बल के सभी रैंकों के अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु 60 वर्ष होगी। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि एक ही सेवा में रैंक के आधार पर भेदभावपूर्ण सेवानिवृत्ति आयु रखना पूरी तरह मनमाना और असंवैधानिक है।

केंद्र का तर्क, युवा समुद्री प्रोफाइल रखने के लिए नियम जरूरी: केंद्र सरकार ने कोस्ट गार्ड नियम 1986 के नियम 20(1) और 20(2) का बचाव करते हुए कहा कि निचले रैंकों के अधिकारियों को समुद्र में अधिक ड्यूटी करनी पड़ती है, उनकी फिटनेस उसी के अनुरूप होनी चाहिए। कोस्ट गार्ड के समुद्री प्रोफाइल को युवा बनाए रखने, चिकित्सकीय फिटनेस, कमांड-कंट्रोल और कॅरिअर स्टैग्नेशन से बचने के लिए 57 वर्ष की आयु जरूरी है।

केंद्र के तर्क आश्चर्यजनक: कोर्ट ने केंद्र के इन तर्कों को सिरे से खारिज कर दिया। पीठ ने फैसले में कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा, हम सरकार की ओर से दिए गए कारणों से आश्चर्यचकित हैं। ये न केवल अप्रत्याशित हैं बल्कि कण मात्र भी अनुभवजन्य आंकड़ों पर आधारित नहीं हैं। अस्पष्ट अभिव्यक्तियां और अतिशयोक्तिपूर्ण धारणाएं इस्तेमाल की गई हैं, मानो किसी भी कीमत पर अलग-अलग सेवानिवृत्ति आयु को जायज ठहराना ही इनका उद्देश्य हो। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि समुद्र में ड्यूटी केवल कमांडेंट से नीचे के अधिकारी ही नहीं करते, बल्कि उच्च रैंकों के अधिकारी भी समुद्री जहाजों पर तैनात होते हैं और उनसे भी उतनी ही शारीरिक फिटनेस की अपेक्षा की जाती है।

निवेश में मुनाफे का लालच देकर ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर मोटे मुनाफे का लालच देकर 1.6 करोड़ से ज्यादा की ठगी करने वाले फर्जी कंपनी के निदेशक सुनील कुमार व विशाल चौरे को साइबर सेल की टीम ने गिरफ्तार किया है। फर्जी कंपनियां खोलकर सुनील बैंक खातों में ठगी की रकम मांग रहा था। आरोपियों के बैंक खाते से 58 शिकायतें जुड़ी पाई गई हैं। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने बताया कि आगरा के फतेहबाद निवासी सुनील अपनी पत्नी के साथ ठगी कर रहा था। आरोपी की जीटीआर इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड नाम की फर्जी कंपनी से जुड़ीं 13 शिकायतें पाई गईं। इसमें 88.40 लाख रुपये मिले।

दूसरी फर्जी कंपनी उद्यम विमेन एम्पावरमेंट फाउंडेशन से 45 शिकायतें जुड़ी मिलीं। बैंक खाते में 22 लाख रुपये होने का पता चला। पुलिस उपायुक्त ने बताया, यह सिंडिकेट हाई-प्रोफाइल ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट ट्रैप, नकली प्री-आईपीओ स्कीम और धोखाधड़ी वाले फॉरेन एक्सचेंज ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म चला कर पूरे भारत में लोगों के साथ ठगी कर रहे थे। रैकेट दिल्ली के एक लोहा व्यवसायी की शिकायत के बाद सामने आया था। पीड़ित से 1.6 करोड़ की ठगी की गई थी। जीटीआर इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के खाते में कुल 15 लाख रुपये और उद्यम विमेन एम्पावरमेंट फाउंडेशन के बैंक अकाउंट में कुल 11 लाख रुपये आए थे।

प्रदूषण की मार : दिल्ली में 50 फीसदी कर्मचारियों को घर से करना होगा काम

नई दिल्ली, एजेंसी। वायु प्रदूषण के खतरनाक स्तर को देखते हुए दिल्ली सरकार ने अपने और निजी प्रतिष्ठान के कार्यालयों में 50 फीसदी कर्मचारियों के साथ काम करने का नियम लागू कर दिया है। बाकी के कर्मचारी घर से करेंगे। इस संबंध में पर्यावरण विभाग की तरफ से सोमवार को जारी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। प्रदूषण के स्तर को देखते हुए दिल्ली-एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) का तीसरा चरण लागू है। आदेश के अनुसार, दिल्ली में हर सर्दियों की तरह इस बार भी हवा खतरनाक स्तर पर पहुंच चुकी है। पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे प्रदूषक लगातार मानकों से ऊपर दर्ज किए जा रहे हैं। लिहाजा, सरकार ने दफ्तर आने-जाने

वाली यात्रा को आधा करने का फैसला लिया है। सरकारी दफ्तरों में सभी विभागाध्यक्ष और प्रशासनिक सचिव नियमित रूप से आएंगे, लेकिन विभाग में अधिकतम 50 फीसदी स्टाफ ही आएगा। हालांकि, जरूरी और आपातकालीन सेवाओं के लिए जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त कर्मचारी बुलाए जा सकते हैं।

निजी दफ्तरों पर भी सख्ती: दिल्ली के सभी निजी दफ्तरों को भी 50 फीसदी कर्मचारियों को वर्क फॉम होम करना अनिवार्य होगा। आदेश में कहा गया है कि काम करने का समय चरणबद्ध किया जाए। इसका पालन न करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला मजिस्ट्रेट, डीसीपी को निगरानी का जिम्मा सौंपा गया है। आपातकालीन सेवाओं को इससे बाहर रखा है। इनमें अस्पताल, स्वास्थ्य सेवाएं, फायर सर्विस, जेल, सार्वजनिक परिवहन, बिजली, पानी, सफाई, आपदा प्रबंधन शामिल हैं।

गाजियाबाद-नोएडा की हवा भी जहरीली: एनसीआर में नोएडा की हवा सबसे प्रदूषित रही, जहां एक्यूआई 397 दर्ज किया गया। गाजियाबाद में एक्यूआई 396, ग्रेटर नोएडा में 382, गुरुग्राम में एक्यूआई 286 रहा।

भारत से लगती सीमा पर चीन लगातार बढ़ा रहा ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और चीन के बीच रिश्ते कई मायनों में सुधरते नजर आ रहे हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा से लेकर भारत-चीन हवाई उड़ानों के शुरू होने के मुद्दों के बावजूद सीमा पर चीन की कारस्तानियां रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। तिब्बत से लगती सीमा पर चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब लगातार अपनी स्थिति को मजबूत करने में जुटी हुई है। चीनी सेना ने इस इलाके में रसद केंद्र से लेकर संपर्क मजबूत करने के लिए सुविधाएं स्थापित की हैं। हाल ही में चीन ने तिब्बत में एक ड्रोन (मानवरहित हवाई वाहन) परीक्षण केंद्र की स्थापना की है। माना जा रहा है कि 4300 मीटर की ऊंचाई पर बने इस परीक्षण केंद्र में पीएलए और चीनी ड्रोन निर्माता को इन यूएवी के भीषण मौसम और उच्च ऊंचाई वाले हालातों में परीक्षण में मदद मिलेगी। इस नई एयरफील्ड में एक 720 मीटर लंबी एक हवाईपट्टी, चार हैंगर्स और प्रशासनिक इमारतें शामिल हैं। गौरतलब है कि तिब्बत के पठार का पहाड़ी इलाका और भीषण मौसम सैन्य अभियानों और रसद पहुंचाने की कोशिशों में काफी चुनौतियां पैदा करता है। इस इलाके में तैनात पीएलए के नए रंगरूटों को कई बार ऊंचाई से होने वाली बीमारियों की वजह से अतिरिक्त ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती है। चीन की ये हरकतें भारत की जमीनी सीमाओं तक ही सीमित नहीं हैं। दक्षिणी चीन सागर में उसने फिर से पाई गई जमीन पर सैन्य सुविधाएं स्थापित की हैं। इनमें हथियारों को स्थापिक करने से लेकर मुख्य इलाकों में लगातार उपस्थिति बनाए रखने जैसी चीजें शामिल हैं। अमेरिकी वायुसेना के अंतर्गत आने वाले चीन एयरोस्पेस अध्ययन संस्थान (सीएएसआई) की अंदर और बाहर परिवहन नेटवर्क के अभाव चीनी सेना प्रमुख वजह है।

ट्रंप ने कह दिया है- अमेरिकी लोगों को ही देनी होंगी नौकरियां, एच-1बी वीजा पर बोला व्हाइट हाउस

वॉशिंगटन, एजेंसी। एच-1बी वीजा की फीस को लेकर मचे बवाल के बीच व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट का बड़ा बयान सामने आया है। लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका में विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के साथ ही स्थानीय नौकरियों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट का यह बयान एच-1बी वीजा की बढ़ती जांच और विदेशी श्रमिकों की वजह से प्रमुख उद्योगों में अमेरिकी नौकरियां के विस्थापन की संभावना पर सामने आया है।

लेविट ने कहा कि ट्रंप ने विदेशी कंपनियों को अमेरिका में सीधे निवेश करने का आदेश दिया है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने इन विदेशी कंपनियों से कहा है कि आप यहां निवेश कर रहे हैं अगर आप यहां व्यापार करना चाहते हैं तो आपको अमेरिकी लोगों को ही नौकरियां देनी होंगी। कैरोलिन लेविट ने मीडिया से बातचीत में कहा, राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी कर्मचारियों को बदले जाने का समर्थन नहीं करते हैं। राष्ट्रपति चाहते हैं कि अमेरिकी मैन्यूफैक्चरिंग उद्योग पहले से कहीं अधिक बेहतर तरीके से चले। ये उसी का हिस्सा है, जिसके तहत राष्ट्रपति टैरिफ का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल और दुनियाभर में अच्छे व्यापार सौदे में कटौती के जरिए कर रहे हैं।

एच-1बी वीजा से जुड़ी चिंताओं पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि जहां तक एच-1बी वीजा के मुद्दे की बात है तो इस पर राष्ट्रपति की राय सूक्ष्म और व्यावहारिक है। उन्होंने कहा कि अगर विदेशी कंपनियां अमेरिका में खरबों रुपयों का निवेश कर रही हैं और बैटरी जैसे उत्पादों को बनाने के लिए विदेशी कामगारों को ला रही हैं तो राष्ट्रपति चाहते हैं कि उन कारखानों को शुरुआत में ही चालू कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति इन नौकरियों में अमेरिकी लोगों को देखना चाहते हैं।

बीते दिनों डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा योजना के

बचाव में कहा था कि उन्हें अपने कंजर्वेटिव दोस्तों और मागा (MAGA) समर्थकों से प्यार है। हालांकि, उन्होंने माना था कि अमेरिका में विदेशी कुशल कामगारों की जरूरत है। यूएस-सऊदी इन्वेस्टमेंट फोरम में 20 नवंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने समर्थकों की ओर से की जा रही आलोचना का जवाब दिया था। उन्होंने तर्क देते हुए कहा था कि उन्नत तकनीक में भारी निवेश कर रही कंपनियां एक कंप्यूटर चिप फैक्ट्री यूं ही नहीं खोल सकती हैं और फिर बेरोजगारों की कतार से लोगों को नौकरियों दें। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि विदेश विशेषज्ञों को जाने से पहले अमेरिकी कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने की जरूरत है।

यूक्रेन युद्ध पर ट्रंप के शांति प्रस्ताव को रूस का ठेंगा, कीव पर बोला हमला, कई रिहायशी इमारतें तबाह

कीव, एजेंसी। तीन साल से ज्यादा समय से चल रहे रूस-यूक्रेन संघर्ष में स्थिति दिन-प्रतिदिन और भयावह होती जा रही है। रूस ने मंगलवार तड़के यूक्रेन की राजधानी कीव पर फिर से बड़े पैमाने पर हमले किए। स्थानीय अधिकारियों और वीडियो फुटेज के अनुसार, इन हमलों में रिहायशी इमारतों और ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया गया। कीव के मेयर विताली क्लिचको ने बताया कि शहर के पेशर्स्क इलाके में एक रिहायशी इमारत और डनिप्रो जिले में दूसरी इमारत को गंभीर नुकसान पहुंचा। टेलीग्राम पर साझा वीडियो में नौ मंजिला इमारत की कई मंजिलों पर भीषण आग फैलती दिखी।

कीव प्रशासन के प्रमुख तिमोर त्काचेंको के अनुसार, कम से कम चार लोग घायल हुए हैं। मामले में यूक्रेन के ऊर्जा मंत्रालय ने पुष्टि की कि ऊर्जा ढांचा भी प्रभावित हुआ है, लेकिन नुकसान का विस्तार नहीं बताया। दूसरी ओर, रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसने रातभर में 249 यूक्रेनी ड्रोन नष्ट किए, जिनमें से 116 ड्रोन काला सागर के ऊपर गिराए गए।

शांति वार्ता जारी, लेकिन हमलों से बढ़ी चिंता

बता दें कि रूस का ये हमला ऐसे समय में हुआ जब हमलों से ठीक पहले, रविवार को जिनेवा में अमेरिकी और यूक्रेनी प्रतिनिधियों के बीच एक अमेरिका-रूस द्वारा प्रस्तावित शांति योजना पर चर्चा हुई थी। यूक्रेन के प्रतिनिधि ओलेक्जांद्र बेव्ज ने कहा था कि बातचीत बहुत उपयोगी रहा और ज्यादातर मुद्दों पर चर्चा हो सका। हालांकि, क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि उन्हें अभी तक इस नए प्रस्ताव की जानकारी नहीं मिली है।

अबू धाबी में अमेरिका और रूस की सीधी बातचीत: मंगलवार को अबू धाबी में अमेरिकी सेना सचिव डैन ड्रिस्कॉल ने रूसी अधिकारियों से कई घंटे मुलाकात की। यह बैठक ट्रंप प्रशासन द्वारा शुरू की गई नई शांति पहल का हिस्सा बताई जा रही है। अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, ड्रिस्कॉल हाल ही में अमेरिकी वार्ता टीम में शामिल हुए हैं और अब इस नई दौर की बातचीत का नेतृत्व कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि यूक्रेन को भी इस बैठक की पूरी जानकारी थी।

हालांकि अमेरिकी अधिकारी ने यह तो नहीं बताया कि बातचीत कितने समय चलेगी या किन मुद्दों पर चर्चा होगी, लेकिन इतना जरूर कहा कि सभी पक्ष जल्द से जल्द युद्ध खत्म करने के लिए समझौते की दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं।

ओली की पार्टी ने संसदीय चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग में अपने दल का पंजीकरण कराया

काठमांडू, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी नेकपा (एमाले) ने संसद विघटन के खिलाफ अदालत में रिट दायर करने के साथ ही प्रतिनिधि सभा चुनाव की तैयारी के तहत निर्वाचन आयोग में दल का पंजीकरण भी कराया है। पार्टी के निर्वाचन विभाग के प्रमुख निरज आचार्य और कार्यालय सचिव डॉ. भीष्म अधिकारी ने आयोग में दल पंजीकरण का आवेदन प्रस्तुत किया। नेपाल के कानूनी प्रावधान के तहत चुनाव में शामिल होने के लिए राजनीतिक दलों का पंजीकरण अनिवार्य है, जिसे हर चुनाव से पहले किया जाता है। पंजीकरण के बाद उन्होंने कहा कि एमाले सभी प्रकार के चुनावों के लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने वाला दल है, इसलिए औपचारिक रूप से पंजीकरण कराया गया है। आचार्य ने कहा कि अब उनकी पार्टी चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। निर्वाचन आयोग ने दल पंजीकरण की अंतिम तिथि 26 नवंबर निर्धारित की है। आज मंगलवार तक कुल 66 दल पंजीकृत हो

चुके थे, जिनमें एमाले 66वें नंबर पर दर्ज हुआ है। आज ही राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने भी अपने दल का पंजीकरण कराया है।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान में हवाई हमला, नौ बच्चों और एक महिला की मौत

तालिबान सरकार के प्रवक्ता का दावा

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान ने आज सुबह कहा कि पाकिस्तान ने बेवजह रात को हवाई हमला किया। सरहद पार की सेना के इस हमले में कम से कम 10 लोग मारे गए। इसके अलावा कम से कम चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मारे गए अफगान नागरिकों में एक महिला और नौ बच्चे हैं। पाकिस्तान के शहर पेशावर में आत्मघाती हमले के एक दिन पूरा होने से पहले सेना ने हवाई हमला किया। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद की एक्स पोस्ट के हवाले से बांग्लादेश के अखबार द डेली स्टार, पाकिस्तान के क्वेटा से पश्तो भाषा में प्रसारित न्यूज पोर्टल द बलोचिस्तान पोस्ट और ब्रिटेन के प्रमुख अखबार द गार्जियन ने अपनी रिपोर्ट्स में इस हमले पर विस्तार से चर्चा की है। मुजाहिद के अनुसार, खोस्त प्रांत में पाकिस्तान की सेना ने रिहायशी इलाकों को निशाना बनाते हुए बमबारी की। कुनार और पक्तिका प्रांत में छापे मारे। इस कार्रवाई में चार आम लोग घायल हो गए। मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तान की सेना ने रात लगभग 12 बजे ख्वास्त प्रांत के गेरबज्वो जिले में में रहने वाले विलायत खान के घर पर बमबारी की। मारे गए बच्चों में पांच लड़के और चार लड़कियां और एक महिला है। हमले में विलायत का घर तबाह हो गया। पाकिस्तान की सेना और विदेश मंत्रालय ने अफगानिस्तान के प्रवक्ता के दावे पर अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

इससे पहले अक्टूबर में पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सेनाओं के बीच भीषण झड़प हो चुकी है। इस घमासान में लगभग 70 लोग मारे गए। इसके बाद दोनों पक्षों ने दोहा में संघर्ष विराम पर हस्ताक्षर किए। फिर भी दोनों देश आक्रामक मुद्रा में नजर आए। तुर्किये में शांति वार्ता की मेज पर भी बात नहीं बन सकी और बिना किसी निर्णय के बातचीत विफल हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, पेशावर हमले की अब तक किसी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है। मगर पाकिस्तान के सरकारी प्रसारक पीटीवी ने कहा कि हमलावर अफगानिस्तान के नागरिक थे और पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ जरदारी ने इसके लिए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को जिम्मेदार ठहराया। पाकिस्तान लगातार आरोप लगा रहा है कि टीटीपी अफगानिस्तान की धरती से पाकिस्तान में अस्थिरता फैला रहा है। सनद रहे इस महीने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी टीटीपी के एक सहयोगी संगठन ने ली थी। इस हमले में 12 लोग मारे गए थे। राजधानी पर हुए हमले के लिए पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में मौजूद टीटीपी के एक प्रमुख नेता को जिम्मेदार ठहराया। द बलोचिस्तान पोस्ट के अनुसार, प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पर मारे गए बच्चों की तस्वीरें भी जारी की हैं।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 108 समस्याएँ, अधिकारियों को दिए त्वरित कार्यवाही के निर्देश

समस्याओं के निराकरण में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रत्येक मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इसी क्रम में आज की जनसुनवाई में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने जिलेभर से आए नागरिकों की कुल 108 समस्याएँ गंभीरता से सुनीं।

कलेक्टर सोमवंशी ने उपस्थित विभागीय अधिकारियों को सभी प्रकरणों पर तत्काल, प्रभावी एवं पारदर्शी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई शासन और जनता के बीच संवाद का सशक्त माध्यम है, इसलिए प्राप्त हर आवेदन पर समयसीमा के भीतर समाधान प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी, उदासीनता या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी और आवश्यकतानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही भी की जाएगी।

कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल शिकायतें सुनना नहीं, बल्कि नागरिकों को वास्तविक राहत उपलब्ध कराना है। इसलिए सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि आमजन को उनकी योजनाओं, सुविधाओं और अधिकारों का लाभ बिना किसी भटकाव के मिले। उन्होंने जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों की साप्ताहिक समीक्षा करने के भी निर्देश दिए ताकि निराकरण की गति निरंतर बनी रहे।

जनसुनवाई के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही सभी उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार एवं जनपद पंचायतों के सीईओ भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनसुनवाई से जुड़े रहे।

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में आदर्श युवा ग्राम सभा का सफल आयोजन

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट, सीधी में छात्र-छात्राओं द्वारा आदर्श युवा ग्राम सभा का प्रभावशाली मंचन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने जमीनी स्तर पर लोकतंत्र, त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था और स्थानीय शासन की प्रक्रियाओं को व्यावहारिक रूप से जाना एवं समझा।

कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य श्री डी.के. त्रिपाठी एवं वरिष्ठ शिक्षक श्री रुपेश चौधरी द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। तत्पश्चात कार्यक्रम संचालनकर्ता श्री अजीत पांडेय ने ग्राम सभा का उद्घाटन संबोधन दिया।

प्राचार्य श्री त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में बताया कि आदर्श युवा ग्राम सभा का उद्देश्य नागरिक चेतना का निर्माण, युवाओं की शासन में भागीदारी बढ़ाना, नेतृत्व कौशल विकसित करना, तथा छात्रों को समुदाय से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श एवं आम सहमति बनाने का अनुभव प्रदान करना है।

कार्यक्रम में कक्षा 11वीं के रावेंद्र कुशवाहा ने सरपंच का, युवराज सोनी ने सचिव का किरदार निभाया। वहीं सोनम साहू, आभा पटेल, अनीशा मौर्य, सानिया पनिका, पीयूष रावत, धनश्री, अंशी वर्मा, नवोदिता, ऋतिक जायसवाल, यश सिंह सहित अन्य विद्यार्थियों ने वार्ड पंच, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं विभिन्न ग्रामीण भूमिकाओं का प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया। दर्शकों ने इन प्रस्तुतियों का न केवल आनंद लिया, बल्कि पंचायती राज व्यवस्था की मूलभूत अवधारणाओं को भी समझा।

अंत में कार्यक्रम सहायक श्रीमती रिचा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर श्री सुधीर सरोज, श्री हरदीप, श्री संदीप कुमार, ज्योति कुमारी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफउपस्थित रहा।

डल्ळै (डवकमस ल्वनजी ळतंउँईी) कार्यक्रम विद्यार्थियों में सार्वजनिक भाषण, आलोचनात्मक चिंतन, टीमवर्क, संवाद कौशल और जनसमस्या विश्लेषण जैसी क्षमताओं का विकास करता है।

विधानसभा क्षेत्र 76 चुरहट में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ सम्मानित

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र 76 चुरहट में शत-प्रतिशत फीडिंग का कार्य पूर्ण करने वाले बूथ लेवल ऑफिसर्स (ठस्व्ध्) को उपखंड अधिकारी एवं निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी शैलेश द्विवेदी तथा सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा शाल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि बीएलओ के सतत प्रयासों एवं जिम्मेदारीपूर्ण कार्यशैली के कारण पुनरीक्षण प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपादित हो पाई है।

सम्मान समारोह में विशेष रूप से अपनी टीम के साथ उत्कृष्ट समन्वय बनाकर कार्य करने वाले सुपरवाइजर सोम साह (पटवारी), अजीत तिवारी (पटवारी) एवं कृष्ण दास केवट (पटवारी) की भूमिका सराहनीय रही। इसी क्रम में मतदान केंद्र क्रमांक 51 की संध्या विश्वकर्मा, क्रमांक 52 की सावित्री सिंह, क्रमांक 53 की अंजू गुप्ता, क्रमांक 56 की कमला गौतम, क्रमांक 77 की निधि निगम, क्रमांक 138 के शिवम कुमार बंसल (शिक्षक) तथा क्रमांक 215 के सुधाकर सिंह (प्राथमिक शिक्षक) सहित उनकी पूरी टीम को भी बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं।

कार्यक्रम में प्रभारी तहसीलदार साक्षी गौतम, प्रभारी तहसीलदार सुषमा रावत, नायब तहसीलदार रामप्रताप सोनी तथा निर्वाचन शाखा के अन्य कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी बीएलओ एवं सहयोगियों का उत्साहवर्धन किया।

रेलवे स्टेशन पर यात्री का हाथ मशीन में फंसा, कटर से काटनी पड़ी बोतल क्रश मशीन, डॉक्टरों को काटना पड़ा पंजा

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर बीती रात एक यात्री का हाथ बोतल क्रश मशीन में फंस गया। तीन घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद यात्री की जान तो बच गई, लेकिन उसका पंजा काटना पड़ा। आरपीएफ ने बताया कि उमरिया जिले के मानपुर निवासी 25 वर्षीय सत्यम गुप्ता शहडोल से महेंद्रगढ़ जाने के लिए ट्रेन का इंतजार कर रहा था।

इसी दौरान उसने अपने हाथ में रखी बोतल को क्रश मशीन में डाला, जिससे उसका हाथ मशीन में फंस गया। आरपीएफ के अनुसार, सत्यम नशे की हालत में था। घटना के बाद सत्यम ने चीखना-चिल्लाना शुरू कर दिया। आसपास खड़े यात्रियों ने उसके हाथ को मशीन से निकालने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। रात्रि गश्त कर रहे रेलवे पुलिस के जवानों को यात्रियों ने इसकी सूचना दी।

मशीन में फंसा पंजा: सूचना मिलते ही आरपीएफ थाना प्रभारी मनीष तिवारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। रेलवे के टेक्निकल स्टाफ को भी बुलाया गया। मशीन को चाबी से खोलने का प्रयास किया गया, लेकिन सत्यम का हाथ का पंजा मशीन में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था, जिससे उसे निकालना असंभव था।

दो बाइकों की टक्कर में तीन घायल, गंभीर हालत में रीवा मेडिकल कॉलेज रेफर; जोगी पहाड़ी के पास हादसा

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले के मड़वास थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जोगी पहाड़ी के पास सोमवार देर रात दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रीवा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

घायलों की पहचान उमेश साकेत (निवासी ग्राम चौफाल पवाई), अशोक सिंह और बेटा सिंह (पिता भगवान सिंह, निवासी ग्राम पोड़ी) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, उमेश साकेत नल-जल योजना में कार्यरत हैं और हादसे के समय वे राशन लेकर अपने कार्य क्षेत्र पोड़ी वस्तुआ की ओर जा रहे थे। ग्राम जोगी पहाड़ी के पास उनकी बाइक की टक्कर सामने से आ रही दूसरी बाइक से हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइकों पर सवार तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर 108 एंबुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

मड़वास थाना प्रभारी भूपेश बैस ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में तीन लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है और आवेदन प्राप्त होने पर मामले की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। देर रात हुए इस हादसे से क्षेत्र में चिंता का माहौल है।

स्थानीय लोगों ने भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़क पर स्ट्रीट लाइट और सावधानी संकेतक लगाने की मांग की है। फिलहाल, तीनों घायलों का उपचार रीवा मेडिकल कॉलेज में जारी है।

गणना पत्रक डिजिटाइजेशन में सीधी जिला प्रदेश में तीसरे स्थान पर

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान में सीधी जिला प्रदेश में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। जिले में अब तक 8 लाख 61 हजार 553 गणना पत्रक डिजिटाइज्ड किए जा चुके हैं, जो कुल प्रगति का 82 प्रतिशत से अधिक है। जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में गणना पत्रक का वितरण पूर्ण हो चुका है और बीएलओ लगातार घर-घर पहुंचकर संकलन एवं डिजिटाइजेशन कर रहे हैं। डिजिटाइजेशन में धौहनी विधानसभा 86.57 प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर है, जबकि सीधी 81.20 प्रतिशत, चुरहट 80.56 प्रतिशत और सिहावल 80.96 प्रतिशत प्रगति पर है।

अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी बी.पी. पाण्डेय ने बताया कि प्रशासनिक टीम के तालमेल और तकनीक के प्रभावी उपयोग से कार्य में उल्लेखनीय तेजी आई है। बड़ी संख्या में गणना पत्रक प्रतिदिन प्राप्त हो रहे हैं और बीएलओ मोबाइल ऐप के माध्यम से डिजिटाइजेशन लगातार बढ़ रहा है। सभी विधानसभा क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को सम्मानित करते हुए पूरी टीम को प्रेरित और प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे फील्ड स्तर पर टीम का मनोबल और भी मजबूत हुआ है। पूरा अभियान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी की सतत मॉनिटरिंग में संचालित हो रहा है।

बेकाबू ट्रक पुलिया पर लटका, चालक सुरक्षित; गोरबी रेलवे फाटक के पास हादसा टला, रहवासी बोले- ड्राइवर नशे में था

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। गोरबी रेलवे फाटक के पास मंगलवार सुबह करीब 8 बजे एक बड़ा हादसा टल गया। कोल माइंस की ओर जा रहा एक खाली ट्रक बेकाबू होकर पुलिया पर आधा लटक गया। ट्रक का अगला हिस्सा खाई की ओर झुका हुआ था, जबकि पिछला हिस्सा संकरी पुलिया पर अटका रहा। घटना के बाद स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया।

हादसे में ट्रक चालक पूरी तरह सुरक्षित रहा और वाहन से बाहर निकल आया। प्रत्यक्षदर्शी स्थानीय निवासी पुष्प राज ने बताया कि ट्रक की स्थिति देखकर ऐसा लग रहा था कि चालक नशे में था, जिसके कारण वाहन नियंत्रण खो बैठा।

सूचना मिलने पर ट्रांसपोर्टर को खबर दी गई। कुछ ही देर में क्रेन मंगाई गई और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद पुलिया पर लटके ट्रक को खींचकर सड़क पर लाया गया। पुलिया संकरी होने और ट्रक के भारी वजन के कारण बचाव कार्य में समय लगा।

स्थानीय लोगों ने बताया कि गोरबी रेलवे फाटक क्षेत्र में भारी वाहनों का आवागमन लगातार बढ़ रहा है, लेकिन सुरक्षा उपायों की कमी के कारण ऐसे हादसे अक्सर होते रहते हैं। उन्होंने प्रशासन से अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम और चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है कि ट्रक बेकाबू कैसे हुआ और चालक नशे में था या नहीं।

उत्कृष्ट विद्यालय नशा मुक्ति की सामूहिक शपथ, 1500 से अधिक विद्यार्थियों ने लिया संकल्प

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित नशा मुक्ति अभियान के तहत समाज को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक करने के उद्देश्य से आज उत्कृष्ट विद्यालय सीधी में सामूहिक शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेंद्र सोलंकी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान 1500 से अधिक छात्र-छात्राओं ने नशामुक्त रहने और समाज को नशा मुक्ति की दिशा में प्रेरित करने की शपथ ली। विद्यार्थियों को शपथ उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य एस.एन. त्रिपाठी द्वारा दिलाई गई।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं प्रभारी उप संचालक सामाजिक न्याय श्री धनंजय मिश्रा, सी.पी. तिवारी, तथा जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र से नम्रता मिश्रा एवं शिवांसु शुक्ला उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में शिक्षकों और विद्यार्थियों को ई-शपथ प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई तथा सभी को नशा मुक्त समाज निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

विश्व दिव्यांग दिवस की पूर्व तैयारी हेतु बैठक का आयोजन

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। विश्व दिव्यांग दिवस 03 दिसम्बर को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय दिव्यांग खेलकूद समारोह की तैयारी के लिए जिला पंचायत सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा ने की।

उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण ने बताया कि इस वर्ष दिव्यांगजनों के लिए दौड़ (50 मीटर एवं 100 मीटर), ट्राइसिकल रेस, लंबी कूद, गोला फेंक, भाला फेंक, गायन, चित्रकला, रंगोली सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को भव्य रूप देने के लिए अशासकीय संगठनों से स्वैच्छिक सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया गया है।

कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु संबंधित विभागों, जिला अग्रणी बैंक, अशासकीय संगठनों एवं अन्य जिम्मेदार इकाइयों को आवश्यक दायित्व सौंपे गए।

बैठक में सिविल सर्जन एस.बी. खरे, अवध बिहारी चौधरी (एलडीएम), एन.एन. त्रिपाठी (प्राचार्य एक्सीलेंस विद्यालय), जिला शिक्षा अधिकारी, डीपीसी, एमआरसी स्टाफ, ज्योत्सना जन कल्याण समिति, देवब्रत ग्राम विकास शिक्षा समिति, विभिन्न एनजीओ, डी.डी.आर.सी. स्टाफ एवं सामाजिक न्याय विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज में कक्षाएं लगना शुरू, अब तक ऑनलाइन लग रही थी क्लासेस; नई बिल्डिंग भी बनकर तैयार

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में आज से नियमित कक्षाएं शुरू हो गई हैं। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों का इंतजार अब खत्म हो गया है। कॉलेज भवन के तैयार होने और आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी होने के बाद अब ऑफलाइन शिक्षण प्रारंभ किया गया है। इससे पहले छात्र ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाई कर रहे थे।

सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह ने नियमित कक्षाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने कॉलेज पहुंचकर क्लासरूम, लैब और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस अवसर पर विधायक शाह ने कहा, 'सिंगरौली मेडिकल कॉलेज जिले की एक बड़ी आवश्यकता थी। आज से यहां नियमित पढ़ाई शुरू होना जिले के लिए ऐतिहासिक दिन है। कॉलेज में प्रत्येक सेमेस्टर के लिए सभी विशेषज्ञ प्राध्यापक उपलब्ध हैं और क्लासरूम पूरी तरह सुसज्जित हैं, ताकि छात्रों को कोई असुविधा न हो।'

सिंगरौली शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय 100 एमबीबीएस सीटों वाला संस्थान है। इस वर्ष सभी 100 सीटों पर प्रवेश हो चुके हैं। यह कॉलेज इसी वर्ष शुरू हुआ है, जिससे जिले को चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

वर्तमान में कॉलेज से जुड़े 400 बेड क्षमता वाले अस्पताल का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इसके पूर्ण होने के बाद सिंगरौली और आसपास के जिलों के मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। साथ ही, छात्रों को प्रैक्टिकल और क्लीनिकल ट्रेनिंग की बेहतर सुविधा भी प्राप्त होगी।

नियमित कक्षाओं के शुरू होने से छात्रों में उत्साह है। जिले में पहली बार मेडिकल शिक्षा का वास्तविक संचालन शुरू हुआ है, जिसे सिंगरौली के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

26 नवम्बर को मनाया जाएगा संविधान दिवस

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय ने जानकारी दी कि भारतीय संविधान को 26 नवम्बर 1949 को अंगीकृत किया गया था। संविधान को अपनाए जाने की स्मृति में प्रतिवर्ष 26 नवम्बर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है।

अपर कलेक्टर ने समस्त कार्यालय प्रमुखों, महाविद्यालयों के प्राचार्यों एवं जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया है कि वर्ष 2025 का संविधान दिवस भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप उचित गरिमा एवं सुसंगत कार्यक्रमों के साथ मनाया जाना सुनिश्चित करें।

एसआईआर विरोधी स्वर, काम सही तरह होना कहीं अधिक आवश्यक

संपादकीय

बंगाल में एक बीएलओ की आत्महत्या के मामले में यह सामने आया कि उसने आवश्यक जानकारी तो जुटा ली थी, लेकिन स्पष्ट निर्देशों के अभाव में उसे अपलोड नहीं किया था। चुनाव आयोग को यह देखना होगा कि बीएलओ की छोटी-बड़ी सभी समस्याओं का समाधान हो और वे सही निर्देशों के अभाव या तकनीकी बाधा के चलते तनाव का शिकार न होने पाएं।

यह अच्छा हुआ कि चुनाव आयोग ने 12 राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) की प्रक्रिया में शामिल बूथ स्तर के अधिकारियों अर्थात बीएलओ की आत्महत्याओं की खबरों का संज्ञान लिया और संबंधित राज्यों से रिपोर्ट मांगी। राज्य निर्वाचन अधिकारियों को सबसे पहले तो इन खबरों की तह तक जाना होगा, ताकि पता लग सके कि उन्होंने काम के दबाव में आकर अपनी जान दी या फिर वे स्वाभाविक मृत्यु का शिकार बने।यह स्पष्टता हासिल करना इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि कई विपक्षी नेता और विशेष रूप से बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी यह माहौल बना रही हैं कि एसआइआर के चलते बड़ी संख्या में बीएलओ आत्महत्या कर रहे हैं। कुछ विपक्षी नेता इसी बहाने एसआइआर को अनावश्यक बताते हुए उसे वोट चोरी की संज्ञा दे रहे हैं।चुनाव आयोग को एसआइआर को लेकर बनाए जा रहे इस नकारात्मक अभियान से सतर्क रहना होगा। यह ठीक नहीं कि विपक्षी दल मतदाता सूचियों में गड़बड़ी का भी उल्लेख करें और एसआइआर के खिलाफ भी खड़े होना पसंद करें।

यह सही है कि एसआइआर अपेक्षाकृत एक श्रमसाध्य प्रक्रिया है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि उसे कराया ही न जाए। इस प्रक्रिया में सबसे महती भूमिका बीएलओ की होती है। उन्हें घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करना होता है। यह देखने में आया है कि बीएलओ बनने वाले कई कर्मचारी इस काम को एक बोझ की तरह लेते हैं। उनकी पहली कोशिश बीएलओ बनने से बचने की होती है। यह ठीक नहीं। यह तो कुछ वैसे ही है, जैसे सैनिक मोर्चे पर जाने से मना करें। यदि हर कोई एसआइआर करने से बचना चाहेगा तो फिर एक जरूरी काम होगा कैसे? सही ढंग से चुनाव तभी हो सकते हैं, जब मतदाता सूचियां दुरुस्त हों और इसके लिए एसआइआर किया जाना आवश्यक है। अब जब चुनाव आयोग बीएलओ की समस्याओं से परिचित होने के लिए आगे आया है, तब फिर उसे यह खास तौर से देखना होगा कि उनकी परेशानी का कारण प्रशिक्षण का अभाव या फिर किसी तरह की तकनीकी समस्या आड़े आना तो नहीं?

अहंकार मनाचा विकार- उपदेश देणारे श्री गुरु तेग बहादर

माधवदास ममतानी

श्री गुरु तेग बहादरजी सिख पंथाचे नौवे गुरु आहे. त्यांचे व्यक्तित्व महान, विलक्षण आणि प्रभावशाली होते. त्यांचे प्रेमळ व आकर्षक व्यक्तित्वानी त्यांचा शिष्यां शिवाय अनेक धर्मातील लोकपण प्रभावित झाले होते व आपला गुरु मानून सच्चा पातशाह म्हणून संबोधित करत होते. गुरु तेग बहादरजी सौंदर्याची मूर्ती होते. त्यांचा चेहरा अलौकिक तेजानी उजळून प्रकाशित होता. ते महान योद्धा आणि तेजस्वी होते. त्यांनी बालपणातच शस्त्रविद्या प्रसिद्ध आचार्य योद्धा 'मल्ल' याच्या कडून प्राप्त केली. त्यांचे वडील सहावे गुरु श्री हरगोंविद साहिब आपल्या काळात वीर योद्धा होते, त्यांच्या विरतेचा प्रभाव गुरुजी वर पडला. गुरुजींच्या वीरतेचे प्रदर्शन आम्हाला करतापुर च्या युद्धात पहायला मिळते. युद्धात विरुद्ध पंथाचा जोर पाहुन श्री तेग बहादर आणि त्यांचे भाऊ सुरजमल यांनी एका बाजुला समोर होऊन वैरयांवर बाणांचा वर्षाव करुन अनेक वैरयांना घायळ करुण मारूण टाकले. नंतर दुश्मनांचा प्रभाव पाहुन दोघांनी कृपाण ने त्यांना घायळ केले व काहींना मृत्यू लोकांत पोहचवले. या दोघांची हिंमत पाहून त्यांचे सैनिकांचा ही उत्साह आणि मनोबल वाढले आणि याप्रमाणे त्यांनी युद्धात पूर्ण वीरताचे प्रदर्शन केले आणि शेवटी त्यांचे वडील श्री गुरु हरगोविंद साहिब यांना विजयश्री प्राप्त झाली. त्यांनी धर्म व सत्य व्यवहार चा प्रचार केला व अनेक कठिण परिस्थितीचा सामना साहसतेनी व दृढतापूर्वक केला व जीवनात सदैव क्रियाशील आणि सफल राहिले.

गुरुजीमधे सहनशीलता, त्याग, क्षमा हे गुण विद्यमान होते. कितीदा विरोधी लोकांनी इर्षेनी गुरुजींना मारण्याचा ही प्रयत्न केला पण ते या दुष्कर्मात असफल राहिले. एकदा गुरु हरगोबिंद साहिबांचा नातू धीरमल गुरुगद्दी प्राप्त करायला आपला मित्र 'शीहे' च्या मार्फत गुरु तेग बहादर यांच्यावर गोळी चालवली ती गुरूजींच्या डोक्याचा वरुन स्पर्श करून समोर गेली. ती गोळी 'शीहे' नी आपल्या मित्रासाठी चालवली आणि गुरूजी त्यातून वाचले. यावर गुरूजींनी काही राग प्रगट केला नाही व क्षमाचा सागर गुरूजी हसून म्हणाले धीरमल तूझे भले होईल. इतकेच नाही दूसरयांदा शीहा आपली 50 माणसे घेऊन गुरूजींचे संपूर्ण धन-दौलत चोरून धीरमल जवळ घेऊन आले. धीरमल शीहेच्या या कृत्यावर प्रसन्न झाला. पण जेव्हा या घटनेची चाहूल गुरूजींचे परमसेवक भाई मक्खणशाह ला लागली तेव्हा तो क्रोधित झाला व 500 मित्रलोक घेऊन धीरमलच्या घरावर गेला व 'शीहे' ला साखळी नी बांधून तिथे पडलेले सर्व धन व सामान वाापस गुरूजी जवळ घेऊन आला. शीहे ला त्याच दशेत गुरूजी समोर आणून उभे करुण म्हणाला आपण आज्ञा कराल तर याला गोळी मारण्याची शिक्षा दिली जाईल. यावर दयावान गुरूजी म्हणाले. मक्खणशाह, लक्ष्मी लोभ व झगडयाची जड आहे. हिला धीरमललाच देऊन द्या आणि शीहे ला साखळीतून सोडून द्या. ते त्यांची केलेली करणी स्वतः भोगेल. गुरूजींचा हुकूम ऐकून मक्खणशाह नी शीहें ला सोडून दिले व सर्व धन-सामान धीरमलाच्या घरी वापस पोहचवून दिले।

याप्रमाणे गुरूजींना कोणत्याही प्रकारची लालच नव्हती व ते क्षमावान, दयालू आणि सात्विक प्रकृति चे होते. त्यांनी आपल्या जीवनात वैराग्यमयी वाणी द्वारा जगाला अनेक उपदेश दिले ज्यात मुख्यतः हे आहेत.

''साधो मन का मानु तिआगउ''

गुरूजींनी अहंकाराला मनाच्या विशेष विकार सांगितला आहे. कारण ते अन्य सर्व विकारांना उत्पन्न करायला तथा विकसित करायला मदत करते म्हणून त्यांचा त्याग करणे आवश्यक आहे.

गुरुजींचे अन्य उपदेष-

''रे मन राम सिउ करि प्रीति।। सरवन गोविंद गुन सुनहु अरू गावहू रसना गीत।।''

गुरूजी उपदेश देताना म्हणतात. हे मना तू रामा शी प्रेमकर पण ते प्रेम तेव्हा पर्यत पूर्ण आहे जेव्हा जेव्हा जीव कानानी गोविंदाचे गुणगान ऐकेल व रस घेऊन परमात्याचे भजन म्हणेल. गुरूजी म्हणतात की- '' गुन गोविंद गाइओ नही जनमु अकारथ कीन''।।

परमेश्वराचे गुण आणि स्तुति केल्या शिवाय या जीवाचे जीवन निरर्थक आहे. आणि प्रत्येक जीवानी परमेश्वराची स्तुति आणि गुणगान केले पाहिजे- '' करणो हुतो सुना कीओ परिओ लोभ के फंध।। नानक समिओ राम गइयो अब किउ रोवत अंध।।''

नेपाल आने वाले पर्यटकों के लिए जनकपुर एक बेहद खास जगह है।जनकपुर नेपाल के तराई क्षेत्र में स्थित है जो पर्यटकों के साथ तीर्थयात्रियों के लिए एक पसंदीदा जगह है। यह शहर अपने सुखद मौसम, भव्य उत्सव, मंदिरों की आकर्षक वास्तुकला से सभी को आकर्षित करता है। इस शहर में कई तालाब है जो यात्रियों को आकर्षित करते हैं। राजा जनक के नाम पर शहर का नाम जनकपुर रखा गया था। काठमांडू से जनकपुर विभिन्न मार्गों से आसानी से पहुँचा जा सकता है और नेपाली पर्यटन का एक अभिन्न अंग है। काठमांडू से सीधे बस से 400 किलोमीटर का रास्ता है ।बस से 7-8 घंटे लगता है ।इसके अलावा नेपाल के विभिन्न शहरों से जनकपुर के लिए गाडियां जाती रहती हैं।

श्री सीताराम विवाह महोत्सव जनकपुर

कुमार कृष्णन

भारत के अन्य राज्यों से आने वाले लोग जयनगर आएं यह बिहार में हैं, सीमा से करीब है। यहां से बस जनकपुर जाती हैं। दूसरा रास्ता सीतामढ़ी शहर से भिट्ठामोड़ होते हुए जलेश्वर 19 किलोमीटर वहां से जनकपुर धाम 30 किलोमीटर है।नेपाल सरकार ने नया रेल मार्ग का निर्माण कर जनकपुर धाम से जयनगर के लिए रेलवे सेवा प्रदान की है। बिहार राज्य का जयनगर भारत के विभिन्न राज्यों के रेलवे नेटवर्क से कनेक्ट है आप जयनगर आकर रेल द्वारा सीधे जनकपुर धाम पहुंच सकते हैं। जनकपुर नेपाल का प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। यहां स्थित जानकी मंदिर की कलाकृति बेहद अद्भुत है।

नेपाल स्थित जानकी मंदिर एक ऐतिहासिक स्थल होने के साथ हिंदुओं की आस्था का प्रतीक है।मंदिर का निर्माण हिन्दू-राजपूत वास्तुकला पर आधारित है। यह नेपाल में सबसे महत्वपूर्ण राजपूत स्थापत्यशैली का उदाहरण है।जानकी मंदिर में तीर्थ यात्री न सिर्फ़ भारत से बल्कि विदेशों से भी आते हैं।यहां यूरोप, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया से भी तीर्थ यात्री आते हैं। जनकपुर नेपाल ही नहीं अपितु दुनिया भर के लोगों के लिये अत्यंत पावन तीर्थ है । भगवान राम और माता जानकी का परिणय धनुष भंग के पश्चात जनकपुर में हुआ था । ब्रह्मर्षि राजा जनक अपने युग के प्रख्यात नरेश थे । 'शतपथ ब्राहमण', 'तैतिरीय ब्राहमण', 'वृहदारण्यक' उपनिषद् इत्यादि में उसकी चर्चा अनेक बार आयी है। 'वृहद्विष्पुराण' के अनुसार तीर्थाटन की पूर्णाहुति वहीं जाकर होती थी। वैसे तो वहां अनेक मंदिर, मंडप, कुंड इत्यादि हैं परन्तु प्रमुख जानकी मंदिर, लक्ष्मण मंदिर, विवाह मंडप एवं राम मंदिर हैं। उनमें प्रथम तीन तो एक ही विशाल प्रांगण में अवस्थित हैं।

त्रेता युग के बाद मिथिला राज्य के अंतिम नरेश के रूप में कराल जनक का उल्लेख चाणक्य अपने अर्थशास्त्र में करता है । सुश्रुत संहिता के उत्तर तंत्र खंड में नेत्र चिकित्सा अध्याय में भी जनक का उल्लेख नेत्र चिकित्सा के सर्वोत्कृष्ट सर्जन के रूप में किया गया है । ये दो उल्लेख इस तथ्य को प्रमाणित करने के लिये पर्याप्त हैं कि रामजी की कथा केवल धार्मिक साहित्य नहीं अपितु भारत वर्ष के प्राचीन इतिहास के महत्वपूर्ण हैं। माता सीता को समर्पित इस मंदिर को ऐतिहासिक स्थल भी माना जाता है। मिथिला जहां माता सीता का जन्म हुआ और उनके विवाह के बाद यह मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम चंद्र जी का ससुराल बना।आज भी इस मंदिर में ऐसे प्रमाण मौजूद हैं जो रामायणकाल का उल्लेख करते हैं।

जानकी मंदिर नेपाल के जनकपुर धाम में स्थित है। विख्यात माता सीता का यह मंदिर 4860 वर्गमीटर में फैला हुआ है। किलानुमा दीवारों से घिरे वहां के सर्वप्रमुख एवं विशाल जानकी मंदिर के निर्माण की कथा है कि विवाहोपरान्त जब सीता राम जनकपुर से प्रस्थान करने लगे तो दुःख से जनक मूर्च्छित हो गये। उन्होंने सीता राम के स्मरणार्थ विश्वकर्मा को मूतियां तैयार करने का अनुरोध किया। कालांतर में वे मूर्तियां भूमिसात् हो गयी।

किंवदन्तियों के अनुसार वहां जानकी मंदिर के समक्ष स्थित लक्ष्मण मंदिर का ही निर्माण सर्वप्रथम हुआ। कहा जाता है कि मिथिला में हति के पुत्रा तथा कृति के पिता बहुलाश्व नामक जनकवंशीय अंतिम नरेश के समय भीषण अकाल पड़ा जिससे मुक्ति के लिए उन्होंने स्वयं उत्तराखंड में बारह वर्षों तक जब तपस्या की तो उन्हें शेष भगवान ने एक उपाय बताते हुए कहा कि 'मैं प्रत्येक त्रोतायुग में श्रीराम के अनुज लक्ष्मण के रूप में जन्म ग्रहण करता हूं, इसलिए मेरा एक मंदिर बनवायें। कालक्रम में वह मंदिर जब विनष्ट प्राय होने लगा तो जीर्णोद्धार कराया नजदीक के ही एक नरेश ने। इस मंदिर के निर्माण में करीब 16 साल का समय लगा था यानि मंदिर का निर्माण 1895 ईस्वी में शुरु हुआ और 1911 में संपूर्ण हुआ था।

कहते हैं टीकमगढ़ राजवंश की भगवान राम में गहरी आस्था रही है।इन्होंने अयोध्या, ओरछा और जनकपुर में भव्य मंदिरों का निर्माण कराया। इतिहासकार बताते हैं कि त्रेता युगकालीन जनकपुर का वेद पुराणों में जिक्र मिलता है। लेकिन इस जगह की पहचान होना काफी मुश्किल था। 16वीं सदी शताब्दी में ओरछा के शासक मधुकरशाह की महारानी गणेश कुंवर अयोध्या से रामलला को ओरछा ले आई।इसके 200 साल बाद जनकपुर में जानकी मंदिर बनवाने का जिम्मा टीकमगढ़ राजपरिवार में अगली पीढ़ी की महारानी ने संभाल लिया। 1896 से टीकमगढ़ की महारानी सवाई महेन्द्र प्रताप सिंह बुंदेला की पत्नी वृषभानु कुमारी ने नेपाल के जनकपुर में मंदिर निर्माण शुरू करा दिया, जिसके नौलखा नाम से पहचाने जाने की कहानी भी कहानी कम रोचक नहीं है।

टीकमगढ़ महाराज महेन्द्र प्रताप सिंह और महारानी वृषभानु कुमारी के संतान नहीं थी। पुत्र प्राप्ति की कामना करते हुए महारानी वृषभानु कुमारी ने अयोध्या में 'कनक भवन मंदिर' का निर्माण करवाया था, लेकिन पुत्र प्राप्त न होने पर अपने गुरु की आज्ञा से 1896 में उन्होंने देवी सीता का मंदिर जनकपुर में बनवाने का संकल्प लिया।1896 ई. में जानकी मंदिर का निर्माण करवाना शुरू कर दिया और इसके एक वर्ष में ही उनको पुत्र की प्राप्ति हो गई। भगवान राम की अर्धांगिनी देवी सीता के जनकपुरी में बन रहे मंदिर का निर्माण कराने के लिए टीकमगढ़ की महारानी वृषभानु कुमारी ने नौ लाख रुपए खर्च करने का संकल्प लिया था। इसके लिए पहले जनकपुर गांव को बसाया गया, क्योंकि वह वीरान क्षेत्र था।फिर वहां मंदिर का निर्माण शुरू कराया।नौ लाख खर्च करने के संकल्प पर इस मंदिर का नाम भी 'नौलखा' पड़ गया। विश्वजीत सिंह बुंदेला कहते हैं, लेकिन इसके निर्माण पर 18 लाख से भी अधिक की धनराशि खर्च हुई थी और इसका निर्माण भी कई साल चलता रहा। जानकी मंदिर के निर्माण काल में ही वृषभानु कुमारी का निधन हो गया था। उनके निधन के बाद वृषभानु कुमारी की बहन नरेंद्र कुमारी ने मंदिर का निर्माण कार्य पूरा करवाया।बाद में महाराज प्रताप सिंह ने नरेंद्र कुमारी से विवाह कर लिया।जानकी मंदिर 1911 में पूरी तरह बनकर तैयार हो गया।इसमें मूर्ति स्थापना पहले ही कर पूजा प्रारंभ कर दी गई थी।जनकपुर में जानकी जी का भव्य मंदिर तो बनकर खड़ा हो गया था, लेकिन इतने विशाल मंदिर का प्रबंधन बनाए रखना आसान नहीं था। जब मंदिर के खर्च की बात सामने आई तो टीकमगढ़ महाराज ने नेपाल में मंदिर के नाम पर काफी जमीन दे दी और यही जमीन मंदिर की आमदनी का प्रमुख स्रोत बनी रही। यहां जंगल हुआ करता था, जहां शुरकिशोर दास तपस्या-साधना करने पहुंचे थे।यहां रहने के दौरान उन्हें माता सीता की एक मूर्ति मिली थी, जो सोने की थी। उन्होंने ही इसे वहां स्थापित किया था।

इतिहासकारों के मुताबिक 1657 ईस्वी में यहां पर माता सीता की सोने की मूर्ति मिली थी। भगवान राम ने यहीं पर माता सीता से विवाह के लिए स्वयंवर में भगवान शिव का धनुष तोड़ा था। यहां मौजूद पत्थर के टुकड़े को धनुष का अवशेष कहा जाता है। रामायणकाल के अनुसार माता सीता ने धरती मां के गर्भ से जन्म लिया था और निसंतान राजा जनक को खेत में हल चलाते समय मिली थी। कहा जाता है कि जनकपुर धाम में आज भी वह स्थान मौजूद है जहां पर राजा जनक को माता सीता का प्राप्त्य हुआ था। सीता जयंती और विवाह पंचमी के अवसर पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु यहां पर आते हैं और विधि विधान से माता सीता की पूजा अर्चना करते हैं। मंदिर में 1सालो भर अखंड कीर्तन चलता रहता है. 24 घंटे सीता-राम नाम का जाप यहां लोग करते हैं। साल 1967 से लगातार यहां अखंड कीर्तन चल रहा है।वर्तमान में राम तपेश्वर दास वैष्णव इस मंदिर के महंत हैं. वे जानकी मंदिर के 12वें महंत हैं। परंपरानुसार अगले महंत का चुनाव वर्तमान महंत करते रहे हैं। महंत राम तपेश्वर दास वैष्णव तीसरे महंत हैं, जिनका चुनाव इस प्रकिया के तहत किया गया है। 10वें मंहत से पहले मंदिर के प्रमुख का चुनाव अलग विधि से किया जाता था और धर्मज्ञानी को इस पद पर बिठाया जाता था।

राम-जानकी विवाह मार्गशीर्ष के शुक्लैपक्ष की पंचमी तिथि के दिन हुआ था, इस दिन को श्रीराम पंचमी के नाम से भी जाना जाता है। हर साल धूमधाम से राम-जानकी विवाहोत्साव मनाया जाता है। यहां नेपाल और भारत के अलावा अन्यथ देशों से भी भक्तध दर्शन करने आते हैं। भगवान राम की जन्महभूमि अयोध्याा से हर साल राम बारात जनकपुर के लिए रवाना होती है। विवाह पंचमी के दिन श्री सीताराम विवाह महोत्सव कार्यक्रम को संपन्न कराने तिरुपति बालाजी से लगभग 40 वैदिक ब्राह्मणों की टीम सीधे जनकपुर पहुंचती है।

जानकी मंदिर के आसपास 115 सरोवर और कुंड हैं, जिसमें से गंगा सागर, परशुराम सागर एवं धनुष सागर सबसे ज्यादा प्रसिद्ध है। जानकी मंदिर की बायीं ओर अवस्थित नण्य एवं भव्य विवाह मंडप, सीताराम के मूल विवाह मंडप 'मणि मंडप' से करीब दो किलोमीटर पर हैं, जिसके निर्माण में महन्थ नवलकिशोरदास जी की प्रेरणा है। वैसे उन्होंने 'मणि-मंडप' में 'विवाह मंडप' बनाने की तैयारी आरंभ कर दी थी किन्तु उनकी आकस्मिक मृत्यु हो जाने पर महन्थ रामशरणदासजी के प्रयास से नेपाल नरेश ने उस विवाह मंडप को बनवाया।उसमें सीताराम के माता पिता के साथ ही श्रीराम एवं सीता के क्रमशः सहचर चारूशीलाजी तथा चन्द्रकलाजी प्रसादाजी की विशाल और भव्य प्रतिभाएं हैं किन्तु देवी-देवताओं की छोटी-छोटी। मंडप के चारों ओर चार छोटे-छोटे 'कोहबर' हैं जिनमें सीता-राम, माण्डवी-भरत, उर्मिला-लक्ष्मण एवं श्रुतिकीर्ति-शत्रुध्न की मूर्तियां हैं। राम मंदिर यहां के सबसे पुराने मंदिरों में से एक है, जिसे गोरखा जनरल अमर सिंह थापा ने 1700 साल पहले बनवाया था। यहां राम नवमी और दशहरे पर भारी संख्या में भक्तोंर का तांता लगा रहता है।राम-मंदिर के विषय में जनश्रुति है कि अनेक दिनों तक सुरकिशोरदासजी ने जब एक गाय को वहां दूध बहाते देखा तो खुदाई करवायी जिससे श्रीराम की मूर्ति मिली। महंत ने वहां एक कुटिया बनाकर, उसका प्रभार एक संन्यासी को सौंपा, इसलिए अद्यपर्यन्त उसके राम मंदिर के महन्थ संन्यासी ही होते हैं जबकि वहां के अन्य मंदिरों के वैरागी हैं।

दोला भीमसेन मंदिर मुख्यी शहर जनकपुर से करीब 107 किमी दूर स्थित है और भीम को समर्पित करते हुए बनाया गया है। महाभारत के पात्रों में से एक पांडवों में भीम युधिष्ठिर से छोटे दूसरे नंबर के पाडंव थे। इस मंदिर की खास बात यह है कि इस पर छत नहीं है। यहां भीम के अलावा मां भगवती, और भगवान शिव की प्रतिमा भी स्था पित हैं। जनकपुर में अनेक कुंड हैं यथा-रत्ना सागर अनुराग सरोवर, सीताकुंड इत्यादि। 'धनुखा' जनकरपुर से 40 किमी दूर स्थित है, जिसे धनुष सागर के नाम से जाना जाता है। मान्यदता है कि जब भगवान राम ने शिव जी के धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाई वह तीन टुकड़ों में टूट गया। इस धनुष का एक हिस्सा उड़कर स्वर्ग पहुंचा। दूसरा हिस्सा पाताल में जा गिरा, जिसके ठीक ऊपर विशाल धनुष सागर है और तीसरा हिस्सा यहां जनकपुर के पास आ गिरा। जिसे आज धनुषधाम मंदिर के नाम से जाना जाता है। कहां जाता है कि वहां प्रत्येक पचीस तीस वर्षो पर धनुष की एक विशाल आकृति बनती है जो आठ-दस दिनों तक दिखाई देती है।मंदिर से कुछ दूर 'दूधमती' नदी के बारे में कहा जाता है कि सीता जुती हुई भूमि की कुंड से उत्पन्न शिशु सीता को दूध पिलाने के उद्देश्य से कामधेनु ने जो धारा बहायी, उसने उक्त नदी का रूप धारण कर लिया।

रत्नासागर मंदिर लुम्बिनी में स्थित है। यह मंदिर भगवान और सीता माता को समर्पित है। यह विशाल मंदिर चारों ओर से खूबसूरत बगीचे और एकन पवित्र जलस्त्रोत रत्नौ सागर से घिरा हुआ है। इसलिए इस मंदिर का नाम रत्नाद सागर मंदिर रखा गया है। लुंबिनी असल में गौतम बुद्ध की जन्म स्थली है। यह स्थान बौद्ध धर्म का प्रमुख स्थल है।

विपक्ष मुक्त लोकतंत्र के दुष्प्रयास प्रयास अभी भी जारी

9 जून 2013 को गोवा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चुनाव अभियान समिति की बैठक के दौरान जिस समय नरेंद्र मोदी को 2014 लोकसभा चुनावों के लिए अभियान समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया गया उस समय उन्होंने अपने भाषण में कहा था कि कांग्रेस मुक्त भारत हमारा सपना होना चाहिए। इस आह्वान के फ़ौरन बाद उन्होंने ट्विटर पर भी इसकी पुष्टि करते हुये लिखा था कि वरिष्ठ नेताओं ने मुझ में विश्वास जताया है। हम कांग्रेस मुक्त भारत का निर्माण करने में कोई कसर बाक़ी नहीं छोड़ेंगे।

तनवीर जाफ़री

उसके बाद से अब तक वे इसी बात को दूसरे शब्दों में अपनी चुनावी सभाओं या सार्वजनिक रैलियों आदि में कहते रहते हैं। जैसे कभी देश को कांग्रेस संस्कृति से मुक्ति दिलाने की बात कभी पंजे से मुक्ति,कभी तुष्टिकरण से मुक्ति तो कभी परिवारवाद व भ्रष्टाचार से मुक्ति के रूप में देश के सबसे बड़े विपक्षी दल कांग्रेस को कोसकर विपक्ष मुक्त लोकतंत्र की अपनी हसरत की अभिव्यक्ति करते रहे हैं। हालांकि 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की 99 सीटें आने के बाद मोदी की इस हसरत पर विराम लग गया था। फिर भी कांग्रेस के दर्जनों नेताओं को भय लालच आदि के द्वारा अपने पाले में कर कांग्रेस को पूरी तरह कमज़ोर करने की कोशिश ज़रूर की गयी।

अब बिहार चुनाव परिणामों से उत्साहित भाजपा दिल्ली से लेकर कर्नाटक तक एक बार फिर कांग्रेस व विपक्ष को कमज़ोर करने की कोशिश करने लगी है। इसी उद्देश्य से पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने सूरत में एक कार्यक्रम के दौरान फिर एक बयान दिया है। इस बार मोदी ने कांग्रेस व अन्य विपक्षी सांसदों की पैरवी करते हुये उनके राजनीतिक कैरियर के प्रति चिंता ज़ाहिर की है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के युवा सांसदों को पार्टी नेतृत्व बोलने नहीं देता, जिससे उनका राजनीतिक कैरियर बर्बाद हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जब कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के सांसद मुझसे मिलते हैं, तो वे कहते हैं, हम क्या कर सकते हैं? हमारा कैरियर ख़त्म हो रहा है। हमें संसद में बोलने का मौक़ा ही नहीं मिलता। हर बार यही कहा जाता है कि संसद को ताला लगा दो। उन्होंने कांग्रेस पर और भी हमले किये।

मोदी द्वारा विपक्षी सांसदों की फ़िक्र किये जाने के सन्दर्भ में यह सोचना ज़रूरी है कि अपनी ही पार्टी के शीर्ष नेताओं का बना बनाया कैरियर समाप्त करने या उन्हें अज्ञातवास अथवा राजनैतिक संन्यास पर भेजने के लिये मजबूर करने वाले प्रधानमंत्री मोदी को आख़िर विपक्षी सांसदों के कैरियर की चिंता कैसे सताने लगी? गुजरात से लेकर दिल्ली तक कितने नेताओं को दरकिनार कर प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुँचने वाले मोदी को विपक्षी सांसदों के कैरियर की चिंता सताने लगी? लाल कृष्ण आडवाणी ने तो ख़ुद मोदी जी का कैरियर बचाने में उनकी मदद की थी। याद कीजिये 2002 के गुजरात दंगों के बाद तो तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने मोदी को गुजरात के मुख्यमंत्री पद से हटाने की ठान ली थी। उस समय आडवाणी ने ही मोदी का साथ देकर इन की कुर्सी बचाई थी। बाद में मोदी ने आडवाणी जी को कहाँ पहुंचा दिया? जिनके पैर छुआ करते थे उन्हें ऐसे मार्ग दर्शन मंडल में भेज दिया जहाँ से मार्ग दर्शन लेने की किसी को ज़रुरत ही नहीं होती? मुरली मनोहर जोशी का वाराणसी से टिकट काट कर पहले ख़ुद चुनाव लड़ा बाद में उन्हें भी मार्ग दर्शन मंडल का रास्ता दिखा दिया? मार्गदर्शन मंडल के बारे में बताया गया कि 75 की आयु पार करने वालों को इसमें स्थान मिलेगा। परन्तु स्वयं 1950 में जन्मे मोदी भी आज 75 वर्ष की आयु पार कर चुके हैं।

तो क्या 75 के नाम पर अपने अनेक वरिष्ठ नेताओं का कैरियर चौपट करने वाले मोदी जी को स्वयं अपनी आयु 75 होने पर मार्गदर्शक मंडल का रास्ता नज़र नहीं आता? केंद्र में 79 वर्षीय जीतन राम मांझी मंत्री बनाये जा सकते हैं। 83 वर्षीय आनंदीबेन पटेल व 81 वर्षीय आचार्य देवव्रत राज्यपाल बनाये जा सकते हैं परन्तु सुब्रमण्यम स्वामी, यशवंत सिन्हा, शत्रुघ्न सिन्हा, अरुण शौरी जैसे नेताओं के कैरियर की कोई फ़िक्र नहीं? ऐसे और भी अनेक उदाहरण हैं जो यह दर्शाते हैं कि मोदी को अपने राजनैतिक कैरियर के सिवा किसी और के राजनैतिक कैरियर की कोई फ़िक्र नहीं होती।

लंबे समय तक भाजपा में रहने वाले शत्रुघ्न सिन्हा ने ख़ुद कहा था कि भाजपा में अब लोकतंत्र नहीं, तानाशाही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री आर के सिंह को बिहार चुनाव परिणाम आते ही इसलिये पार्टी से निकाल दिया गया क्योंकि उन्होंने न केवल पार्टी के अपराधी नेताओं को पार्टी प्रत्याशी बनाने पर सवाल खड़ा किया था बल्कि अडानी पावर व नीतीश सरकार के बीच हुये कथित 62,000 करोड़ रुपये के बिजली घोटाले का भी ख़ुलासा किया था और इस घोटाले की जांच की मांग की थी। इसलिये कांग्रेस या विपक्षी सांसदों के कैरियर को लेकर चिंतित होना दरअसल उनके कैरियर की चिंता करना नहीं बल्कि अपनी इन कथित चिंताओं का प्रदर्शन कर कांग्रेस व विपक्ष को कमज़ोर करने की कोशिश मात्र है। कुछ ऐसी ही कोशिशें इन दिनों लालू यादव के परिवार में पड़ी पारिवारिक फूट को लेकर देखी जा रही हैं। यहाँ भी लालू -तेजस्वी का विरोध करने वाले परिवार के सदस्यों को हवा देने की ख़बरें आ रही हैं।दरअसल मोदी इस दावे से यह भी जताना चाहते हैं कि विपक्ष के कोटे का पूरा समय राहुल गाँधी ही ले लेते हैं। तो देश यह भी देखता है कि विपक्षी सांसदों को संसद में कितना बोलने दिया जाता है और उनके बोलने पर सत्ता पक्ष कितना व्यवधान पैदा करता है। हाँ राहुल का बोलना इसलिये ज़रूर खटकता होगा क्योंकि इस समय देश के वही अकेले ऐसे नेता हैं जो साम्प्रदायिकता, भ्रष्टाचार, अडानी-अंबानी, नोटबंदी, जी एस टी,चुनाव धांधली, सरकारी संस्थानों पर सत्ता के शिकंजे,किसानों व जातीय जनगणना, एस आई आर जैसे ज्वलंत मुद्दों पर खुलकर बोलते हैं जो सत्ता से हज़म नहीं होता। और राहुल,कांग्रेस व सम्पूर्ण विपक्ष को कमज़ोर करने की ही ग़रज़ से अब एक और दांव चलते हुये देश के 272 पूर्व अधिकारियों जिनमें 16 पूर्व न्यायाधीश,133 पूर्व सैन्य अधिकारी व 14 पूर्व राजदूत सहित 123 पूर्व नौकरशाहों से विपक्ष के नेता राहुल गांधी के विरुद्ध एक खुला पत्र जारी कराया गया है जिसमें राहुल द्वारा चुनाव आयोग पर लगाए गए वोट चोरी के आरोपों और संवैधानिक संस्थाओं पर कथित तौर पर बिना सबूत के हमलों की आलोचना की गयी है। परन्तु कांग्रेस ने तो इन 272 प्रतिष्ठित राहुल विरोधियों में से अनेक की सेवा कुंडली ही उधेड़ कर बता दिया कि इस सूची में कितने भ्रष्ट व अनैतिक आचरण के प्रतिष्ठित अधिकारी शामिल हैं। लिहाज़ा विपक्षी सांसदों के कैरियर की चिंता व राहुल गाँधी पर हमले जैसे प्रयास दरअसल विपक्ष मुक्त लोकतंत्र के दुष्प्रयास हैं जो भाजपा के 2013 से शुरू हुये कांग्रेस मुक्त भारत मिशन से लेकर अभी तक जारी हैं। सही मायने में लोकतंत्र के लिये सबसे बड़ा ख़तरा राहुल गाँधी नहीं बल्कि सत्ता के विपक्ष मुक्त लोकतंत्र के दुष्प्रयास ही हैं।

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन दिवस पर मनेन्द्रगढ़ में निकाली गई जागरूकता रैली

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। महिलाओं के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर आज मनेन्द्रगढ़ में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा एक प्रभावशाली और भव्य जागरूकता रैली निकाली गई, जिसने पूरे शहर में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के प्रति सशक्त संदेश दिया। मिशन शक्ति हब, मिशन वात्सल्य और सखी वन स्टॉप सेंटर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राएँ और महिला समूह शामिल हुए, जिनके नारों ने वातावरण को जागरूकता और संकल्प से भर दिया।

मिशन शक्ति की अगुवाई में मनेन्द्रगढ़ ने दिखाया एकजुट संकल्प: रैली का आयोजन जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर के निर्देश और जिला कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में जिला मिशन समन्वयक (मिशन शक्ति हब) की अगुवाई में किया गया। परियोजना मनेन्द्रगढ़ और राम टेक चन्द्र जैन शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पूरे उत्साह के साथ महिलाओं के प्रति होने वाली किसी भी तरह की हिंसा को समाप्त करने की अपील की। यह रैली 20 नवम्बर 2025 से 10 दिसम्बर 2025 तक चलने वाले "16 दिवसीय सक्रिय अभियान" का हिस्सा है, जिसे महिलाओं के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन दिवस से मानव अधिकार दिवस तक विशेष रूप से आयोजित किया जा रहा है।

लिंग आधारित हिंसा रोकथाम की दिशा में बड़ा जनजागरण अभियान: रैली का मुख्य उद्देश्य जिले में महिलाओं और बालिकाओं के अधिकारों, सुरक्षा उपायों और उनके हितों से जुड़े कानूनों को जन-जन तक पहुँचाना है। अभियान के तहत बाल विवाह की रोकथाम, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, पॉक्सो एक्ट, डीवी एक्ट, और बाल विवाह निषेध अधिनियम की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही भारतीय न्याय संहिता 2023 तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत महिलाओं व बालिकाओं को प्राप्त विशेष अधिकारों को भी बताया गया।

मिशन शक्ति के अंतर्गत उपलब्ध सेवाएँ-वन स्टॉप सेंटर, जिला महिला सशक्तिकरण हब, शक्ति सदन, सखी निवास आदि के बारे में भी नागरिकों को अवगत कराया गया ताकि कोई भी पीड़ित महिला सहायता के बिना न रहे। महिला उत्पीड़न इलेक्ट्रॉनिक शिकायत पोर्टल "सी-बॉक्स", महिला हेल्पलाइन 181 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 जैसी आपातकालीन सेवाओं के उपयोग के लिए भी व्यापक रूप से लोगों को प्रेरित किया गया।

छात्राओं की भागीदारी बनी रैली की शक्ति, पूरे शहर में गूंजा "हिंसा मुक्त समाज" का संदेश: रैली में शामिल छात्राओं ने हाथों में पोस्टर और तख्तियां लेकर महिलाओं की सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाई और नारे लगाकर समाज को जागरूक होने का आह्वान किया। शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरती इस रैली ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और प्रत्येक नागरिक को यह संदेश दिया कि महिलाओं के प्रति हिंसा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। मनेन्द्रगढ़ की सड़कों पर आज जिस दृढ़ता और एकजुटता का प्रदर्शन हुआ, उसने स्पष्ट कर दिया कि जिले के लोग हिंसा मुक्त, सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण निर्माण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। यह रैली सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज में व्यापक मानसिक बदलाव की दिशा में मजबूत कदम साबित हुई।

अपर कलेक्टर ने आमजनों की सुनी समस्याएं, गंभीरतापूर्वक निराकरण के दिए निर्देश

कलेक्टर जनदर्शन में 22 आवेदन हुए प्राप्त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन में अपर कलेक्टर विनायक शर्मा ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं को सुना। जिले के ग्रामीण जन और नागरिकों ने जनदर्शन में अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं को सीधे अपर कलेक्टर के समक्ष रखा। अपर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। आज की जनदर्शन में कुल 22 आवेदन प्राप्त हुए। इस जनदर्शन में आवेदक सुमबाई निवासी सिरौली पारित आदेश का परिपालन न किये जाने के एवं स्मरण पत्र सीमांकन के संबंध में, देवनाथ निवासी बिछियाटोला रकबा सुचारू रूप से दर्ज करने एवं कैरी फॉवर्ड न हुआ हो तो करने के संबंध में, फ्रांसिस खलखों निवासी जरहाटोला एग्रीस्टिक में रकबा संशोधन करने के संबंध में, शिवनारायण निवासी मनेन्द्रगढ़ तहसील कार्यालय में कैंटिन पुनः संचालित कराये जाने के संबंध में, जयसिंह निवासी बौरीडांड पटवारी हीरालाल पुरी द्वारा राजस्व कार्यो में लापरवाही किये जाने पर उन्हें जिला मुख्यालय में संलग्न किए जाने के संबंध में, उषा देवी रजक निवासी खोंगापानी नौकरी प्रदान करने के संबंध में, ललिता सिंह निवासी चैनपुर सीमांकन रिपोर्ट की सत्यप्रतिलिपि/नकल आवेदिका को प्राप्त न होने के संबंध में, अब्दुल निवासी चिरमिरी भूमि के संबंध में, आर एल शुक्ला निवासी चिरमिरी डीईओ एमसीबी को निलंबित प्रकरण में आदेश जारी कराया जाने हेतु निर्देशित किये जाने के संबंध में, आर एल शास्त्री निवासी सिरौली भूमि के संबंध में, मुन्ना निवासी उचेहरा भूमि के संबंध में, तेजस्वनी निवासी सिरौली उच्च स्तरीय जाँच एवं अनुपात से अधिक शिक्षकों का स्थानांतरण कर जिले में अनुदान प्राप्त संस्थाओ में पदस्थ किये जाने के संबंध में, रवीनाथ सिंह निवासी पसौरी जल जीवन मिशन द्वारा गड्ढा खोद कर छोड़ दिए जाने के संबंध में, धर्मेंद्र कुमार मिश्रा निवासी पसौरी एकीकृत पोर्टल में खसरा नंबर दर्ज करने के संबंध में, चिंता देवी निवासी चैनपुर भूमि के संबंध में, कृष्ण दत्ता तिवारी निवासी बिछियाटोला भूमि के संबंध में, लल्लूराम तिवारी निवासी बिछियाटोला कार्य का राशि का भुगतान के संबंध में, अजीत सिंह निवासी मनेन्द्रगढ़ आवेदन अंतर्गत लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत प्रकरण को शीघ्र निराकरण किये जाने के संबंध में, अधीन सिंह निवासी नेवरी भौतिक सत्यापन नहीं होने के संबंध में, हरीकृष्ण कुमार रवि निवासी उजियारपुर 28 नग व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की भुगतान 3,36,000 करने के संबंध में, एवं सामुदायिक शौचालय की भुगतान के संबंध में, अपना शिकायत लेकर उपस्थित हुए थे। अपर कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों को पूरी गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को उचित कार्यवाही करते हुए त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

सामुदायिक सहभागिता से बदली विकास की दिशा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्राम पंचायत मुसरा के ग्राम पूटाडांड में मनरेगा अंतर्गत किए गए सामुदायिक जलभराव क्षेत्र निर्माण कार्य ने ग्रामीणों के जीवन में उल्लेखनीय परिवर्तन लाया है। लंबे समय से यहां के किसान वर्षा-आधारित खेती पर निर्भर थे और पानी की कमी, पथरीली भूमि तथा अनियमित वर्षा के कारण उनकी फसल उत्पादन क्षमता लगातार प्रभावित हो रही थी। खेती की अनिश्चितता के चलते ग्रामीणों की आजीविका भी चुनौतीपूर्ण होती जा रही थी।

ग्राम सभा की पहल समुदाय की मांग से शुरू हुई विकास की दिशा: गांव के किसानों और ग्रामीणों की लगातार मांग पर ग्राम सभा ने इस कार्य को प्राथमिकता दी और प्रस्ताव स्वीकृति के लिए भेजा। तकनीकी परीक्षण और योजना निर्माण के बाद ग्राम पंचायत मुसरा द्वारा 8.49 लाख रुपये की लागत से जलभराव क्षेत्र का निर्माण कराया गया।

इस संरचना ने गांव में जल संरक्षण का नया द्वार खोला-खेतों तक पानी पहुँचने लगा, फसल उत्पादन में सुधार हुआ और ग्रामीणों के बीच आजीविका के प्रति नया भरोसा विकसित हुआ।

जल-संरक्षण से समृद्धि की ओर-किसानों के जीवन में नई उम्मीद, खेतों में नई हरियाली: परियोजना पूर्ण होने के बाद ग्राम पूटाडांड के किसानों-हरमंगल/धीरसाय, सीताराम/जशलाल, शिवशंकर/जयकरन, रामप्रसाद/रामसुन्दर-ने पहली बार लगभग 7 एकड़ भूमि में उत्कृष्ट धान उत्पादन प्राप्त किया। संरक्षित जल ने खरीफ फसल को समय पर सिंचाई उपलब्ध कराई, जिससे उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। पहले जहाँ किसान सिंचाई के अभाव में फसल बचाने के लिए चिंतित रहते थे, वहीं अब वे आत्मविश्वास के साथ रबी फसल की भी तैयारी कर रहे हैं।

चैनपुर उपार्जन केंद्र में पारदर्शिता और अनुशासन का नया मानक

किसान सुरेश कुमार ने कहा- 'इस बार खरीदी ने विश्वास लौटा दिया '

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में इस वर्ष धान खरीदी की शुरुआत ने किसानों में नई ऊर्जा और विश्वास का संचार किया है। जिले के चैनपुर उपार्जन केंद्र में मंगलवार को खरीदी के दौरान उत्साहजनक माहौल देखने को मिला। केंद्र में धान बेचने पहुंचे ग्रामीण अंचल के किसान इस बात को लेकर संतुष्ट दिखाई दिया कि खरीदी व्यवस्था इस बार न केवल व्यवस्थित है बल्कि पूरी तरह किसान-हितैषी भी है।

इसी सकारात्मक माहौल के बीच 56 क्विंटल धान बेचने पहुंचे किसान सुरेश कुमार का अनुभव खास तौर पर ध्यान खींचता है। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों में पहली बार खरीदी केंद्र पर इतनी सुगमता और पारदर्शिता देखने को मिली है कि किसान निश्चिंत होकर अपना धान लेकर पहुँच रहे हैं। सुरेश कुमार बताते हैं कि खरीदी के लिए उनका टोकन समय पर ऑनलाइन उपलब्ध हो गया था, जिससे उन्हें सुबह-सवेरे केंद्र पहुँचकर कतार में खड़े होने की आवश्यकता नहीं पड़ी। जैसे ही वे अपने निर्धारित समय पर उपार्जन केंद्र पहुंचे, पूरी प्रक्रिया बिना इंतजार के शुरू हो गई। तौलाई के दौरान न तो भीड़ का तनाव था और न किसी प्रकार की अनियमितता का भय। मशीनें पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रही थी और हर किसान की तुलाई सटीकता के साथ दर्ज की जा रही थी। उन्होंने यह भी कहा कि इस बार उपार्जन केंद्र में किसी भी चीज़ की कमी नहीं दिखी। बारदाना भरपूर मात्रा में उपलब्ध था, जिससे किसानों को बोरी की कमी का सामना नहीं करना पड़ा। कटाई और धान नापने से लेकर तौल मशीनों तक, सभी उपकरण सुचारू रूप से संचालित हो रहे थे। कार्यस्थल पर पानी की व्यवस्था, इंतजार करने के लिए बैठने का स्थान और कर्मचारियों का सहयोग व्यवहार इन सबने किसानों को यह एहसास कराया कि उनकी सुविधा वास्तव में प्राथमिक है। सुरेश कुमार ने कहा कि जब किसान सुबह घर से धान लेकर निकलता है, तो मन में कई आशंकाएं रहती हैं, लेकिन इस बार चैनपुर केंद्र में प्रवेश करते ही एक भरोसा बना कि यहाँ सब कुछ व्यवस्थित ढंग से होगा, और ऐसा ही हुआ। राज्य सरकार द्वारा धान का समर्थन मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल तय किए जाने पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। उनका कहना है कि यह मूल्य किसानों के परिश्रम का सम्मान है और खरीफ मौसम में लगाए गए परिश्रम का उचित प्रतिफल भी। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि सरकार का यह निर्णय सीधे किसानों की आजीविका को मजबूत करता है।

एडीआर भवन में रोजगार मेला 27 को

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद सोनी के निर्देशन में एवं रंजना चतुर्वेदी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी के मार्गदर्शन में 27 नवम्बर को एडीआर भवन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी में जिला रोजगार कार्यालय जिला प्रशासन शिवपुरी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में बेरोजगार युवाओं हेतु रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेला में लगभग 13 कंपनियां उपस्थित होकर युवाओं को रोजगार प्रदान करेंगी। इस हेतु टेक्नीशियन, सेल्समेन, हैल्पर, मशीन ऑपरेटर, सुपरवाइजर, फैशन डिजाइनिंग, सिक्योरिटी गार्ड, टेली, कम्प्यूटर ऑपरेटर, सेल्स ऑफीसर, कौशल प्रशिक्षण आदि का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

निर्वाचन डयूटी में लापरवाही एवं अनुशासनहीनता पर दो सहायक शिक्षक सेवा से बर्खास्त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2025 के दौरान शराब सेवन कर निर्वाचन कर्तव्य स्थल पर पहुँचना दो सहायक शिक्षकों को भारी पड़ गया। मनेन्द्रगढ़ विकासखण्ड के इन दोनों शिक्षकों पर कड़ी विभागीय कार्रवाई करते हुए सेवा समाप्ति (डिसमिस) का आदेश जारी कर दिया गया है। यह कार्रवाई कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा जारी आदेश के बाद की गई, जिसमें स्पष्ट कहा गया कि चुनाव कर्तव्य के दौरान अनुशासनहीनता किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

घटना 19 फरवरी की है, जब ग्राम लालपुर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में निर्वाचन सामग्री वितरण स्थल पर तैनात सहायक शिक्षक अशोक कुमार सिंह, अभय कुजूर और शिक्षक सुनील कुमार टोप्पो शराब सेवन की स्थिति में पहुंचे थे। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मनेन्द्रगढ़ के सहायक चिकित्सा अधिकारियों ने तीनों के मद्यपान की पुष्टि की। तत्पश्चात कलेक्टर ने घटना की गंभीरता को देखते हुए उसी दिन सभी तीनों को निलंबित कर दिया। इसके बाद 4 मार्च 2025 को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम-14 के तहत विभागीय जांच शुरू की गई, जिसमें अपर कलेक्टर जांच अधिकारी तथा जिला शिक्षा अधिकारी प्रस्तुतकर्ता अधिकारी बनाए गए।

जांच के दौरान 23 जुलाई 2025 को अशोक कुमार सिंह और अभय कुजूर न्यायालय में भी मद्यपान की स्थिति में पहुंचे, जिसकी दोबारा चिकित्सीय पुष्टि हुई। 13 अक्टूबर को प्रस्तुत विभागीय जांच प्रतिवेदन में दोनों शिक्षकों के विरुद्ध आरोप सिद्ध पाए गए, जबकि सुनील कुमार टोप्पो को आरोपों से मुक्त कर दिया गया। दोनों अपचारी शिक्षकों से कारण बताओ नोटिस का जवाब भी मांगा गया, लेकिन उनका उत्तर संतोषजनक नहीं पाया गया। जांच में यह भी स्थापित हुआ कि दोनों ने स्वयं मद्यपान स्वीकार किया, जो छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 23 का स्पष्ट उल्लंघन है।

इन तथ्यों के आधार पर 14 नवम्बर 2025 को दोनों शिक्षकों की सेवा समाप्त करने का आदेश जारी किया गया।

साजिद खान बने नए जिलाध्यक्ष; संगठन में आपसी खींचतान समाप्त

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर के साजिद खान (चांद) को भीम आर्मी संगठन का नया जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जिसके साथ ही संगठन में लंबे समय से चल रही जिला संयोजक पद की खींचातानी आखिरकार समाप्त हो गई है। यह महत्वपूर्ण फैसला प्रदेश अध्यक्ष सुनील बेरसिया के नेतृत्व में लिया गया, जिसने संगठन में चली आ रही अंदरूनी असहमति पर विराम लगा दिया है। साजिद खान की नियुक्ति को लेकर शहर के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है और इसे संगठन को मजबूती देने वाली रणनीतिक पहल माना जा रहा है। नए जिला अध्यक्ष के रूप में साजिद खान जल्द ही जिले में संगठन विस्तार और सामाजिक जनहित कार्यों की रूपरेखा तैयार करेंगे। भीम आर्मी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद रावण ने दलितों और बहुजनों के अधिकारों के लिए काम किया है, और साजिद खान की नियुक्ति से संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा वे जिले में सामाजिक जनहित कार्यों को आगे बढ़ाएंगे।

कोड़ा उपार्जन केंद्र में सुव्यवस्थित धान खरीदी, किसानों के चेहरों पर लौटा भरोसा 'संदीप साहू' बना मिसाल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। खड़गवां ब्लॉक के कोड़ा उपार्जन केंद्र में इस बार समर्थन मूल्य पर शुरू हुई धान खरीदी ने किसानों के बीच विश्वास का नया अध्याय खोल दिया है। सुव्यवस्थित व्यवस्था और किसान-हितैषी प्रक्रियाएँ खेतों से उपार्जन केंद्रों तक एक सकारात्मक माहौल का निर्माण कर रही हैं। देवाडांड निवासी के प्रगतिशील किसान संदीप कुमार साहू पिता सालिक राम साहू इस परिवर्तन के चमकते उदाहरण बनकर उभरे हैं। संदीप का कहना है कि पिछले वर्ष के भाती इस वर्ष की खरीदी व्यवस्था ने वास्तव में यह साबित किया है कि सरकार की नीयत और नीति-दोनों जमीन पर मजबूती से दिखाई दे रही हैं।

उपार्जन केंद्र की बदली सूरत, किसानों को मिला आराम और सम्मान: संदीप कुमार साहू 100 क्विंटल धान लेकर कोड़ा उपार्जन केंद्र पहुँचे। प्रवेश की शुरुआत से लेकर अंतिम तौल तक एक ऐसी प्रणाली दिखाई दी, जिसमें कई सुधार साफ झलक रहे थे। कर्मचारी सहयोगी, बारदाना पर्याप्त, तौल-कांटा सटीक और परिसर पूरी तरह व्यवस्थित था। किसान आराम से अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे और किसी को भी भीड़, अव्यवस्था या देर का सामना नहीं करना पड़ा। केंद्र में स्वच्छ पेयजल और क्रमबद्ध सेवा ने किसानों के विश्वास को नई मजबूती दी। संदीप खुशी से बताते हैं कि इस बार खरीदी व्यवस्था में किसान पहले से कहीं अधिक सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

समर्थन मूल्य से मिली आर्थिक राहत, टोकन प्रणाली ने कम किया तनाव: पूरे प्रदेश में 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य ने किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत आधार दिया है। उन्होंने बताया की 100 क्विंटल धान बेचने पर संदीप को मिलने वाली लगभग तीन लाख रुपये से अधिक की राशि को उन्होंने कृषि कार्य, छोटा भाई की पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी।

जिला में बिहान अंतर्गत 'नई चेतना 4.0' जेंडर समानता राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ

थीम- एक साथ, एक आवाज - समानता के लिए संकल्प का आगाज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। बिहान अंतर्गत चलाए जा रहे वार्षिक राष्ट्रीय अभियान 'नई चेतना 4.0' का शुभारंभ आज जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में किया गया। यह अभियान 25 नवम्बर से 23 दिसम्बर तक चलेगा, जिसका उद्देश्य समाज में जेंडर समानता, महिलाओं के अधिकार, सुरक्षा और सम्मान के प्रति जन-जागरण लाना है।

अभियान की जिला स्तरीय शुरुआत कलेक्टर के निर्देशन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्रीमती अंकिता सोम के मार्गदर्शन में नवा बिहान संकुल स्तरीय संगठन में हुई। कार्यक्रम में मनेंद्रगढ़ ब्लॉक के सभी संकुल स्तरीय संगठन पदाधिकारियों, ग्राम संगठन एवं स्व सहायता समूह के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज की।

बैठक में पूरे एक माह तक चलने वाले अभियान की साप्ताहिक गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की गई। इसमें शामिल हैं- संकुल स्तरीय संगठन स्तर पर जन-जागरूकता कार्यक्रम, ग्राम संगठन स्तर पर प्रशिक्षण एवं संवाद गतिविधियाँ, स्व सहायता स्तर स्तर पर सामुदायिक बैठक और व्यवहार परिवर्तन अभियान, महिला सुरक्षा, समान अधिकार और घरेलू हिंसा रोकथाम पर विशेष सत्र तथा समानता विषयक संकल्प रैली एवं हस्ताक्षर अभियान चलाया जायेगा।

कार्यक्रम में जिला मिशन से जिला कार्यक्रम प्रबंधक, सभी संकुल स्तरीय संगठन पदाधिकारी, सदस्यगण और जेंडर सखी उपस्थित रहीं। सभी ने मिलकर यह संकल्प लिया कि इस अभियान को गांव-गांव तक पहुँचाकर महिलाओं के सम्मान और जेंडर समानता को मजबूत किया जाएगा।

वन विभाग ने 4 ग्रामीणों के मकान तोड़े, दुधमुहें बच्चे सहित पूरा परिवार रातभर बाहर रहा; नाराज लोगों ने कार्यालय घेरा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के खड़गवां में वन विभाग ने चार ग्रामीणों के मकान पर बुलडोजर चला दिया। जिसके बाद परिवार को लोगों को सारी रात बाहर ही गुजारना पड़ा। मां अपने दुधमुंहे बच्चे को लेकर भरी ठंड में बाहर रही। वन विभाग का कहना है कि 3 लोगों ने अतिक्रमण कर मकान बनाया था, कार्रवाई के दौरान एक बैगा समाज का मकान गलती से टूट गया है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग ने ही घर का पट्टा दिया था।

घेराव में कांग्रेस नेता भी हुए शामिल: इस कार्रवाई से नाराज कांग्रेस नेताओं और ग्रामीणों ने 24 नवंबर की शाम खड़गवां वन परिक्षेत्र कार्यालय का घेराव किया और जमकर नारेबाजी की। स्थिति को देखते हुए खड़गवां थाना प्रभारी सुनील तिवारी पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। वन विभाग के अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को चार दिनों के अंदर मामले की जांच करने का आश्वासन दिया है।

दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग: कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने चेतावनी दी है कि यदि वन विभाग ने जांच कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की, तो 27 नवंबर को मनेन्द्रगढ़ आ रहे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव को कांग्रेस काला झंडा दिखाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि 28 नवंबर को पीड़ित समाज के लोगों के साथ खड़गवां वन परिक्षेत्र कार्यालय का घेराव कर धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

रतलाम में चार माह बाद बेटे की थी शादी, व्यवसायी के घर पीछे के रास्ते से घुसे चोर

पत्नी कलेक्ट्रेट में अधिकारी ले उड़े 13 तोला सोने के गहने

रतलाम, एजेंसी। रतलाम में कलेक्टर ऑफिस के पास स्थित ग्रामीण विधायक मथुरालाल डामर के ऑफिस और ऊपरी मंजिल पर रहने वाले टेंट व्यवसायी के घर हुई चोरी के मामले में पुलिस को अहम सुराग मिले हैं। वारदात वाली रात दो संदिग्ध बाइक पर इलाके में घूमते हुए सीसीटीवी में कैद हुए हैं। पीड़ित टेंट व्यवसायी अनिल भटनागर के बेटे की मार्च में शादी है, जिसके लिए घर में करीब 13 तोला सोने के जेवर रखे थे, जिन्हें चोर ले उड़े। चोरों ने वारदात को अंजाम देने के लिए पीछे का रास्ता चुना। वे पतरे के शेड के जरिए ऊपर चढ़े और खिड़की में लगे एसी का वेंटिलेशन काटकर कमरे में दाखिल हुए। चोरों ने कमरे के अंदर अलमारी का लॉकर तोड़ा और वहां रखी 3 सोने की चेन, कंगन, अंगूठियां, कड़ा, मोती के टुकड़े, चांदी के सिक्के और 10-15 हजार रुपए नकद चुरा लिए।

विधायक के ऑफिस में दस्तावेज बिखेरे: बदमाशों ने ग्राउंड फ्लोर पर स्थित विधायक के ऑफिस की अलमारी भी तोड़ी, लेकिन वहां केवल दस्तावेज होने के कारण कुछ चोरी नहीं हुआ। चोर एक बैग को पीछे झाड़ियों में फेंक गए। यह वारदात वीआईपी इलाके में हुई है, जहां एक तरफ कलेक्टर ऑफिस और दूसरी तरफ डीआईजी-एसपी के बंगले हैं।

घर में कैमरे थे, पर हार्ड डिस्क नहीं : व्यवसायी भटनागर ने सुरक्षा के लिए घर में सीसीटीवी कैमरे लगवा रखे थे, लेकिन उनमें हार्ड डिस्क नहीं थी। केवल लाइव रिकॉर्डिंग हो रही थी, इस कारण चोरी की घटना कैद नहीं हो सकी।

CCTV में दिखे संदिग्ध-

आदिवासी वेशभूषा : पुलिस को आसपास के सीसीटीवी फुटेज में रविवार रात दो संदिग्ध बाइक पर सवार दिखाई दिए हैं। वे प्रताप नगर ब्रिज से उतरकर मंडी रोड की तरफ से आए थे। वेशभूषा से वे आदिवासी लग रहे हैं। पुलिस को आशंका है कि चोर जिले के ही हो सकते हैं। इलाके का चौकीदार भी उस रात सो रहा था, जिसने पूछताछ में बताया कि रात में कुत्ते बहुत भौंक रहे थे।

मार्च में है बेटे की शादी : टेंट व्यवसायी अनिल भटनागर ने बताया कि उनके बड़े बेटे उत्कर्ष की शादी 8 और 9 मार्च 2026 को होनी है। इसके लिए उन्होंने ज्वेलरी खरीदकर रखी थी और मैरिज गार्डन भी बुक हो चुका था। वारदात के वक्त अनिल टीवी वाले रूम में और उनकी पत्नी (जो कलेक्ट्रेट में अधिकारी हैं) दूसरे कमरे में सो रही थीं।

एसपी बोले- टाइम ट्रेस कर लिया है

एसपी अमित कुमार ने बताया कि सीसीटीवी में दो संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए हैं। पुलिस ने चोरों के आने का समय चिन्हित कर लिया है। पुलिस टीम आसपास के लोगों से पूछताछ और अन्य कैमरों के फुटेज खंगालने में जुटी है।

हेडमास्टर शराब के नशे में सड़क पर मिले बेसुध पड़े उनका वीडियो वायरल, राहगीर ने कीप हचान

सतना, एजेंसी। जिले के उचेहरा ब्लॉक के शासकीय माध्यमिक विद्यालय कुरेही में पदस्थ हेडमास्ट सोमवार को शराब के नशे में सड़क किनारे पड़े मिले। शिक्षक पोड़ीङ्कसतना मार्ग पर पतौरा गांव के पास सड़क किनारे बेसुध हालत में मिले। उन्हें देखकर राहगीर और ग्रामीण मोके पर पहुंचे और शिक्षक को उठाया। ग्रामीणों के अनुसार, उन्होंने सड़क किनारे एक व्यक्ति को गिरा हुआ देखा। पास जाकर पता चला कि वह शराब के नशे में थे और खुद से उठने की स्थिति में भी नहीं थे। किसी दुर्घटना की आशंका के चलते ग्रामीणों ने उन्हें सड़क से हटाकर सुरक्षित जगह पर लिटाया। थोड़ी देर बाद राहगीरों में से एक ने उन्हें पहचान लिया उनकी पहचान हेडमास्टर जयलाल दिनकर के रूप में की। इस दौरान कुछ लोगों ने उनका वीडियो बना लिया।

सोशल मीडिया पर लोगों ने जताई कड़ी नाराजगी: घटना का वीडियो और तस्वीरें मौके पर मौजूद कुछ ग्रामीणों ने बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दीं। वायरल वीडियो में हेडमास्टर जमीन पर पड़े दिखाई दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर लोग इस घटना को लेकर कड़ी नाराजगी जता रहे हैं और कह रहे हैं कि बच्चों का भविष्य बनाने वाले शिक्षक का इस हालत में मिलना बेहद शर्मनाक है। वहीं, शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सिंगरौली में बेकाबू ट्रक पुलिया पर लटका, चालक सुरक्षित

सिंगरौली, एजेंसी। सिंगरौली में गोरबी रेलवे फाटक के पास मंगलवार सुबह करीब 8 बजे एक बड़ा हादसा टल गया। कोल माइंस की ओर जा रहा एक खाली ट्रक बेकाबू होकर पुलिया पर आधा लटक गया। ट्रक का अगला हिस्सा खाई की ओर झुका हुआ था, जबकि पिछला हिस्सा संकरी पुलिया पर अटका रहा। घटना के बाद स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। हादसे में ट्रक चालक पूरी तरह सुरक्षित रहा और वाहन से बाहर निकल आया। प्रत्यक्षदर्शी स्थानीय निवासी पुष्प राज ने बताया कि ट्रक की स्थिति देखकर ऐसा लग रहा था कि चालक नशे में था, जिसके कारण वाहन नियंत्रण खो बैठा। सूचना मिलने पर ट्रांसपोर्टर को खबर दी गई। कुछ ही देर में क्रेन मंगाई गई और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद पुलिया पर लटके ट्रक को खींचकर सड़क पर लाया गया। पुलिया संकरी होने और ट्रक के भारी वजन के कारण बचाव कार्य में समय लगा। स्थानीय लोगों ने बताया कि गोरबी रेलवे फाटक क्षेत्र में भारी वाहनों का आवागमन लगातार बढ़ रहा है, लेकिन सुरक्षा उपायों की कमी के कारण ऐसे हादसे अक्सर होते रहते हैं। उन्होंने प्रशासन से अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम और चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है कि ट्रक बेकाबू कैसे हुआ और चालक नशे में था या नहीं।

देवारण्य योजना के कार्यों का जायजा

विदिशा, एजेंसी। विदिशा जिले में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, औषधीय पौधों के उत्पादन में वृद्धि तथा ग्रामीण समुदायों की आजीविका को सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित देवारण्य योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाई जाए उक्त आशय के दिशा निर्देश कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सोमवार को योजना के कार्यों की समीक्षा बैठक में दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में औषधीय पौधों की वैज्ञानिक खेती, प्रसंस्करण एवं विपणन को प्रोत्साहित कर स्थानीय समुदायों को दीर्घकालिक आर्थिक लाभ प्रदान करना है।वन विभाग, कृषि विभाग और आयुष विभाग के संयुक्त सहयोग से जिले में विभिन्न ग्राम पंचायतों में औषधीय पौधोंकृअश्वगंधा, तुलसी, गुडमार, शतावरी, कालमेघ, सोंठ आदिकृका रोपण कार्य विस्तारित किया जा रहा है। किसानों एवं ग्रामीणों को तकनीकी जानकारी, निःशुल्क प्रशिक्षण तथा गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है।

नर्मदापुरम में मौसम बदला, बादल छाए, सुबह से छाई धुंध

ठंडक कम, पचमढ़ी में रात का तापमान 2.8 डिग्री बढ़ा

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम जिले में पिछले दो दिनों से मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। बादल छाए रहने से ठंड में कमी आई है और रात के तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मंगलवार को नर्मदापुरम का न्यूनतम तापमान 18.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि पचमढ़ी में रात का तापमान बढ़कर 13.4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। सुबह धुंध छाई रही, लेकिन ठंडी हवाएं अभी भी चल रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार, अगले एक सप्ताह तक बादल छाए रहेंगे और तापमान में बढ़ोतरी जारी रह सकती है। मौसम वैज्ञानिक वी.एस. यादव ने बताया कि अरब सागर में बने ऊपरी हवाओं के चक्रवात और बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी के कारण मौसम बदला है। उत्तर-पूर्वी हवाएं कमजोर होने से ठंड का असर कम हुआ है। सोमवार को नर्मदापुरम में न्यूनतम तापमान 17.3 और अधिकतम तापमान 30 डिग्री दर्ज हुआ था, जो मंगलवार को बढ़कर 18.7 डिग्री न्यूनतम हो गया।

अरब सागर और बंगाल की खाड़ी की नमी कर रही असर : मौसम वैज्ञानिक डॉ. प्रमेंद्र कुमार ने बताया कि प्रदेश के कई हिस्सों में पिछले पांच दिनों से रात का तापमान लगातार बढ़ रहा है। कम दबाव का क्षेत्र मलेशिया और मलक्का जलडमरूमध्य के ऊपर सक्रिय है। इसके अलावा समुद्र तल से करीब 7.6 किमी ऊंचाई तक चक्रवातीय परिसंचरण बना हुआ है। यह सिस्टम पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ते हुए अगले 24 घंटों में दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर एक अवदाब (डिप्रेशन) में बदल सकता है। आगे 48 घंटों में इसके दक्षिण बंगाल की खाड़ी पर चक्रवाती तूफान बनने की भी संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि इन सिस्टम्स का असर नर्मदापुरम सहित प्रदेश के कई जिलों में अगले कुछ दिनों तक इसी तरह बना रहेगा।

मंडला के मवई में बाइक पेड़ से टकराई

डिंडोरी निवासी एक युवक की मौत, एक घायल

मंडला, एजेंसी। मंडला जिले के मवई थाना क्षेत्र में सोमवार रात एक सड़क दुर्घटना में डिंडोरी निवासी एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया। यह हादसा तब हुआ जब बाइक अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई। पुलिस के अनुसार, डिंडोरी जिले के समनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम ढाबा निवासी सालिकराम धुर्वे (पिता रामकुमार धुर्वे) और ग्राम रजनी सराई निवासी भजन कुमार धुर्वे (पिता लाल सिंह धुर्वे) बाइक क्रमांक एमपी 52 जेड ए 9732 से सारस डोली से मवई की ओर आ रहे थे।

इसी दौरान उनकी बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को मवई अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में उपचार के दौरान सालिकराम धुर्वे का निधन हो गया। मवई थाना प्रभारी प्रताप सिंह मरकाम ने बताया कि मृतक सालिकराम धुर्वे का मंगलवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना की जानकारी मिलने पर बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संतोष रानू हरदहा भी अस्पताल पहुंचे।

सागर में भारतीय स्टेट बैंक डिप्टी मैनेजर के सूने मकान में चोरी

ससुराल गए थे परिवार के साथ, पीछे से चोरों ने अलमारी साफ की

सागर, एजेंसी। मकरोनिया थाना क्षेत्र के आनंद नगर में एसबीआई बैंक के उप प्रबंधक के सूने मकान में चोरी हो गई। चोर मकान का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात और 40 हजार रुपए नकद ले उड़े। फरियादी परिवार सहित ससुराल में शादी समारोह में शामिल होने गया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, फरियादी मयंक पटेल आनंद नगर गली नंबर 2, मकरोनिया के निवासी हैं। उन्होंने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। मयंक पटेल ने बताया कि वे भारतीय स्टेट बैंक में उप प्रबंधक के पद पर जिला छतरपुर में पदस्थ हैं।

परिवार के साथ शादी में गए थे दमोह : शिकायत में बताया गया कि मयंक अपने परिवार के साथ अपनी ससुराल दमोह के सागोनी में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए गए थे। पीछे घर पर ताला लगा हुआ था।

मामा ने दी दरवाजा टूटने की सूचना: इसी दौरान उनके मामा लखनलाल पटेल ने फोन पर सूचना दी कि मकान के पीछे का दरवाजा टूटा हुआ है। यह खबर मिलते ही मयंक तुरंत दमोह से सागर वापस आए।

घर पहुंचे तो अलमारी से जेवर गायब मिले : मकरोनिया पहुंचकर जब उन्होंने घर में देखा, तो दरवाजा टूटा हुआ पाया। अंदर जाकर चेक किया तो अलमारी में रखे गहने और नकद रुपए गायब थे।

चांदी के बर्तन और 40 हजार कैश चोरी : जांच करने पर घर से चांदी की पायलें, चांदी की चूड़ी, चांदी के सिक्के, चांदी के बर्तन, चांदी की बिछड़ी और नकद 40 हजार रुपए नहीं मिले।

CCTV फुटेज खंगाल रही पुलिस : शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है। पुलिस वारदातस्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। इसके साथ ही चोरों का पता लगाने के लिए मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया है।

सीहोर में मंगलवार को छाई धुंध, न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री

कड़ाके की ठंड जारी

सीहोर, एजेंसी। सीहोर में मंगलवार सुबह घना कोहरा छाया रहा, जिसकी वजह से धूप देर से निकली। जिले में कड़ाके की ठंड का दौर लगातार जारी है। सोमवार को न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले दो सप्ताह से अधिक समय से ठंड लगातार बढ़ रही है।

17 दिनों से न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे : सीहोर जिले में 17 दिनों से न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे बना हुआ है। न्यूनतम और अधिकतम तापमान में बड़ा अंतर दर्ज किया जा रहा है, जिससे सुबह-शाम लोगों को ज्यादा ठंड महसूस हो रही है। इससे पहले मौसम कभी बारिश तो कभी गर्मी के कारण बदलता रहा, लेकिन अब ठंड का मौसम पूरी तरह शुरू हो गया है।

मौसम वैज्ञानिक बोले— आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ेगी : शासकीय कृषि महाविद्यालय के मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. तोमर ने बताया कि आसमान से बादल धीरे-धीरे साफ हो रहे हैं। उनकी मानें तो अगले दिनों में ठंड और बढ़ने की संभावना है। उन्होंने बताया कि पिछले लगभग 18 दिनों से लगातार ठंड पड़ रही है और अब तापमान में और गिरावट दर्ज हो सकती है।

बीते दिनों का न्यूनतम तापमान : 10 नवंबर को तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, इसके बाद 11 नवंबर को 8.3 डिग्री और 12 नवंबर को 8.2 डिग्री सेल्सियस रहा। 13 नवंबर को फिर हल्की बढ़ोतरी के साथ 8.3 डिग्री और 14 नवंबर को 9.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

15 नवंबर से ठंड और तेज हुई और तापमान 7.5 डिग्री पर आ गया। 16 नवंबर को यह गिरकर 5.8 डिग्री और 17 नवंबर को सीजन के सबसे कम 5.0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इसके बाद 18 नवंबर को 6.5 डिग्री, 19 नवंबर को 7.5 डिग्री, और 20 नवंबर को 6.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बरेली से विदिशा तक भटकता रहा मरीज, घायल मजदूर को 7 दिन नहीं मिला इलाज

एंबुलेंस चालक अस्पताल के बाहर छोड़ भागा

विदिशा, एजेंसी। मंडला जिले के सुनील प्रधान के साथ रायसेन और विदिशा में स्वास्थ्य व्यवस्था की बड़ी लापरवाही सामने आई है। काम की तलाश में बरेली (रायसेन) आए सुनील 17 तारीख को एक हादसे में गंभीर घायल हो गए थे। बरेली और रायसेन जिला अस्पताल में 7 दिन तक उन्हें उचित इलाज और भोजन नहीं मिला। अंत में उन्हें विदिशा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां एंबुलेंस चालक उन्हें अस्पताल के बाहर छोड़कर चला गया। सुनील प्रधान ने बताया कि 17 तारीख को वह मजदूरी से लौट रहे थे, तभी कुछ युवक उनका पीछा करने लगे। खुद को बचाने के प्रयास में वे अंधेरे में एक पुलिया में गिर गए। इससे उनके हाथ-पैरों में गंभीर चोटें आईं। एक बाइक सवार ने उन्हें देखकर एंबुलेंस बुलाई और बरेली के शासकीय अस्पताल पहुंचाया।

बरेली अस्पताल में न ड्रेसिंग हुई, न

मिला खाना: बरेली अस्पताल में सुनील दो दिन तक भर्ती रहे। आरोप है कि वहां उन्हें न तो उचित ड्रेसिंग मिली, न ऑपरेशन किया गया और न ही खाने-पीने की कोई व्यवस्था की गई। स्थिति बिगड़ने पर उन्हें जिला अस्पताल रायसेन रेफर कर दिया गया।

रायसेन में 3 दिन सिर्फ इंजेक्शन लगाए, सर्जरी नहीं की: रायसेन जिला अस्पताल में भी हालात नहीं बदले। वहां तीन दिन तक उन्हें सिर्फ इंजेक्शन लगाए गए, लेकिन टूटे हुए हाथ-पैरों पर न पट्टी की गई और न कोई सर्जिकल इलाज दिया गया। अंततः सुनील को विदिशा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

विदिशा में गेट पर छोड़कर भागा एंबुलेंस चालक: विदिशा मेडिकल कॉलेज पहुंचने पर भी व्यवस्था की संवेदनहीनता सामने आई। यहां एंबुलेंस चालक मरीज को अस्पताल के बाहर छोड़कर चला गया। सुनील ने बताया कि यदि उन्हें बरेली या रायसेन में समय पर ऑपरेशन और सही इलाज मिल जाता, तो वे अब तक काफी हद तक ठीक हो चुके होते।

डॉक्टर बोले- बिना रेफरल पर्चे के छोड़ गए, सूजन गंभीर है: विदिशा मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने बताया कि मरीज के हाथ और पैर में गंभीर सूजन है।

सीधी में दो बाइकों की टक्कर में तीन घायल गंभीर हालत में रीवा मेडिकल कॉलेज रेफर

सीधी, एजेंसी। जिले के मड़वास थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जोगी पहाड़ी के पास सोमवार देर रात दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रीवा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घायलों की पहचान उमेश साकेत (निवासी ग्राम चौफाल पवाई), अशोक सिंह और बेटा सिंह (पिता भगवान सिंह, निवासी ग्राम पोड़ी) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, उमेश साकेत नल-जल योजना में कार्यरत हैं और हादसे के समय वे राशन लेकर अपने कार्य क्षेत्र पोड़ी वस्तुआ की ओर जा रहे थे। ग्राम जोगी पहाड़ी के पास उनकी बाइक की टक्कर सामने से आ रही दूसरी बाइक से हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइकों पर सवार तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर 108 एंबुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। मड़वास थाना प्रभारी भूपेश बैस ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में तीन लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है और आवेदन प्राप्त होने पर मामले की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

देर रात हुए इस हादसे से क्षेत्र में चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों ने भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़क पर स्ट्रीट लाइट और सावधानी संकेतक लगाने की मांग की है। फिलहाल, तीनों घायलों का उपचार रीवा मेडिकल कॉलेज में जारी है।

सकराना घाटी में वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

महू-नसीराबाद हाईवे पर हुआ हादसा; जिला अस्पताल में एडमिट

नीमच, एजेंसी। महू-नसीराबाद हाईवे पर सकराना घाटी के समीप सोमवार रात एक सड़क हादसा हो गया। इस दुर्घटना में एक बाइक सवार अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे जिला चिकित्सालय में एडमिट कराया गया है। जिला चिकित्सालय के अनुसार, घायल युवक की पहचान मुकेश पिता बगदी राम (38) के रूप में हुई है। वह गायरी जाति का है और लसूडिया, थाना रामपुरा का निवासी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मुकेश अपनी बाइक से निंबाहेड़ा की ओर से नीमच की ओर जा रहा था।

खरगोन में नर्मदा ब्रिज से फाइनेंस कर्मचारी ने लगाई छलांग

रात तक नहीं मिला सुराग, बाइक-बैग बरामद ; बड़वानी का रहने वाला है

खरगोन, एजेंसी। खरगोन जिले के कसरावद खल बुजुर्ग स्थित नर्मदा ब्रिज से बड़वानी जिले के एक फाइनेंस कर्मचारी युवक ने छलांग लगा दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और देर रात तक उसकी तलाश की, लेकिन अभी तक उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। यह घटना सोमवार शाम की बताई जा रही है। युवक ने ब्रिज पर अपनी बाइक खड़ी की और बैग छोड़कर नर्मदा नदी में कूद गया। लोगों की सूचना पर पुलिस और सैनिक दिनेश वर्मा पहुंचे और नर्मदा क्षेत्र में खोजबीन शुरू की। इंजन की नाव और लोहे की मकड़ी जाल की मदद से नर्मदा के दोनों तरफ लगभग आधा किलोमीटर क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। देर रात तक भी युवक का कोई पता नहीं चल पाया।

ब्रिज पर एमपी 10 एनजी 6538 नंबर की बाइक खड़ी मिली, जिसमें चाबी लगी हुई थी और एक बैग भी टंगा था। पुलिस की प्रारंभिक जांच में युवक की पहचान बड़वानी जिले के नागलवाड़ी स्थित लफनगांव निवासी रवि पिता मुन्नालाल के रूप में हुई है। वह एक निजी फाइनेंस कंपनी में कार्यरत है। युवक के नर्मदा में छलांग लगाने की खबर फैलते ही ब्रिज पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। परिजनों को घटना की जानकारी मिलते ही वे भी घटनास्थल पर पहुंच गए।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में रवींद्र जडेजा के 50 विकेट पूरे

दिग्गजों की सूची में जुड़ा नाम

गुवाहाटी, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 50 विकेट पूरे कर लिए हैं। यह उपलब्धि हासिल करने वाले जडेजा भारत के पांचवें गेंदबाज हैं। रवींद्र जडेजा ने गुवाहाटी टेस्ट के चौथे दिन दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी में अपना दूसरा विकेट लेते ही इस टीम के खिलाफ अपने 50 टेस्ट विकेट पूरे कर लिए। अनिल कुंबले, जवागल श्रीनाथ, हरभजन सिंह और आर अश्विन के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह पांचवें भारतीय गेंदबाज हैं। जडेजा ने 19 पारियों में 50 विकेट हासिल किए। अनिल कुंबले ने 40 पारियों में 54, जवागल श्रीनाथ ने 25 पारियों में 64, हरभजन सिंह ने 19 पारियों में 60 और आर अश्विन ने 26 पारियों में 57 विकेट लिए थे। जडेजा ने भारत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में अनिल कुंबले को पीछे छोड़ा। कुंबले ने 9 टेस्ट में 39 विकेट लिए थे। जडेजा के 9 टेस्ट में 44 विकेट हो चुके हैं (टेस्ट जारी है)। भारत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट आर अश्विन के नाम हैं। उन्होंने 7 टेस्ट मैचों में 46 विकेट लिए थे।

बाएं हाथ से स्पिन गेंदबाजी करने वाले जडेजा टेस्ट फॉर्मेट में भारत ही नहीं दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडर माने जाते हैं। गेंदबाजी या बल्लेबाजी से अब तक वह भारतीय टीम को अकेले दम दर्जनों मैच जीता चुके हैं। जडेजा ने 89 टेस्ट मैचों की 132 पारियों में 6 शतक और 27 अर्धशतक लगाते हुए 4,041 रन बनाए हैं। वहीं 348 विकेट ले चुके हैं। इस दौरान एक पारी में 5 या उससे अधिक विकेट लेने की उपलब्धि 15 बार हासिल कर चुके हैं।

कोच देवदत्त की अपील, विमेंस ब्लाइंड क्रिकेट टीम को आर्थिक रूप से मदद करे बीसीसीआई

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन डेफ क्रिकेट टीम के कोच देवदत्त ने इंडियन विमेंस ब्लाइंड क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक वर्ल्ड कप जीत को सराहा है। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से सभी दिव्यांग क्रिकेटर्स को आर्थिक रूप से मदद करने की अपील की है। कोच देवदत्त ने आईएएनएस से कहा, 'हमारी खिलाड़ियों ने ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया है। जो लड़कियां दृष्टिबाधित हैं, उन्होंने देश के लिए इस खिताब को जीता है। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।' भारतीय ब्लाइंड क्रिकेट टीम को अभी तक बीसीसीआई से मान्यता नहीं मिली है। इन खिलाड़ियों को मैच फीस एक निजी ट्रस्ट और कुछ स्पॉन्सर्स की बदौलत मिलती है। कोच देवदत्त ने बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास से इन खिलाड़ियों की मदद करने की अपील की है। उन्होंने कहा, 'मैं बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास से अपील करता हूं कि इन लड़कियों की मदद करें, ताकि इन्हें मोटिवेशन मिले और इनके जीवन में आर्थिक संकट दूर हो। '

भारतीय टीम ने रविवार को नेपाल के खिलाफ खेले गए फाइनल मैच में 7 विकेट से जीत दर्ज की। नेपाल की टीम निर्धारित ओवरों में 5 विकेट खोकर 114 रन ही बना सकी। इस टीम के लिए सरिता घिमिरे ने सर्वाधिक 35 रन बनाए, जबकि बिमला रानी ने 26 रन की पारी खेली। भारत की तरफ से बी1 जमुना रानी और बी1 अनु कुमारी ने 1-1 विकेट निकाले।

इसके जवाब में भारत ने 12.1 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। टीम इंडिया की तरफ से बी1 करुणा ने 27 गेंदों में 42 रन बनाए, जबकि फुला सरेन ने नाबाद 44 रन की पारी खेलकर भारत को पहला विश्व कप खिताब जिताने में अहम योगदान दिया। नेपाल की तरफ से बी3 दिल्लीसरा धमाला इकलौती सफल गेंदबाज रहीं, जिन्होंने 1 विकेट हासिल किया। भारत ने इस विश्व कप में एक भी मुकाबला नहीं गंवाया। टीम इंडिया ने श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, यूएसए, पाकिस्तान और नेपाल को मात देकर ट्रॉफी जीती।

'ऐतिहासिक जीत', विश्व चैंपियन ब्लाइंड महिला टी20 क्रिकेट टीम को कर्नाटक भाजपा ने किया सम्मानित

बेंगलुरु, एजेंसी । नेपाल को हराकर ब्लाइंड टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय महिला टीम को कर्नाटक भाजपा ने सम्मानित किया। कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष और विधायक बी. वाई. विजयेंद्र ने भारतीय टीम की जीत को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'भारतीय टीम के सदस्य, जिन्होंने पहला ब्लाइंड महिला टी20 विश्व कप जीतकर इतिहास रचा और देश का नाम रोशन किया, उन्हें आज बेंगलुरु में दिल से बधाई और गर्व के साथ सम्मानित किया गया। पूरा देश भारत की इस उपलब्धि का जश्न मना रहा है, क्योंकि टीम ने फाइनल में नेपाल के खिलाफ सात विकेट से रोमांचक जीत हासिल करके विश्व चैंपियन का खिताब जीता।' विजयेंद्र ने कहा, 'टीम के हर सदस्य ने देश को ऐतिहासिक जीत दिलाने के लिए शारीरिक चुनौतियों को पार किया है और दुनिया को खेलों में भारत की महिलाओं की ताकत और आत्मविश्वास दिखाया है। उनका असाधारण दृढ़ संकल्प न केवल मिसाल है, बल्कि सभी के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत भी है। जीत कड़ी मेहनत, टीम वर्क और कमिटमेंट से मिली है। यह एक शानदार उपलब्धि है और इससे हमारे सभी दिव्यांग खिलाड़ियों को ज़्यादा आत्मविश्वास और बेहतर भविष्य मिलेगा। खास तौर पर, भारत ने पहले ब्लाइंड महिला टी20 क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल में नेपाल को सात विकेट से हराकर जीत हासिल की, जो देश के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

हॉकीः सुल्तान अजलान शाह कप में बेल्जियम ने भारत को 2-3 से हराया

इपोह । मलेशिया के इपोह में मंगलवार को सुल्तान अजलान शाह कप में बेल्जियम के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम को अच्छे प्रदर्शन के बावजूद 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम ने मुकाबले की शुरुआत मजबूती से करते हुए बेल्जियम पर दबाव बनाया था। बेल्जियम को मैच शुरू होने के दस मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर से पहला मौका मिला, और जल्द ही उन्हें दूसरा मौका भी मिला। भारतीय टीम की मजबूत रक्षापंक्ति के सामने बेल्जियम पेनल्टी कॉर्नर को गोल में नहीं बदल सका। दूसरे क्वार्टर में बेल्जियम ने बढ़त बनाई। रोमन डुवेकोट (17') ने मैच का पहला गोल किया। भारतीय टीम ने इसके बाद गोल की लगातार कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली। बेल्जियम ने हाफटाइम तक अपनी 1-0 की बढ़त बनाए रखी।

दूसरे हाफ की शुरुआत में अभिषेक (33') के गोल से भारतीय टीम ने वापसी की और मैच को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। भारतीयों ने दूसरे गोल की तलाश में बेल्जियम पर दबाव बनाया, लेकिन बेल्जियम ने निकोलस डी केर्पेल (45') के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गोल से वापस बढ़त बना ली। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में रोमन डुवेकोट (46') ने गोल करके बेल्जियम की बढ़त 1-3 कर दी। भारत के लिए शिलानंद लाकड़ा (57') ने रबीचंद्र सिंह के शानदार क्रॉस पर गोल करके बढ़त को कम किया। भारत को उम्मीद की एक किरण दिखाई। लेकिन अंत तक भारत बेल्जियम की बराबरी नहीं कर सका। भारतीय टीम को 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारत ने टूर्नामेंट के पहले मैच में कोरिया को 1-0 से हराया था। बेल्जियम के साथ दूसरा मैच बारिश की वजह से मंगलवार को पुनर्निर्धारित किया गया था। भारत का अगला मैच 26 नवंबर को 17:30 (आईएसटी) पर मलेशिया से होगा। सुल्तान अजलान शाह कप 2025 के मैच फैनकोड पर लाइव दिखाए जा रहे हैं।

दीप्ति शर्मा के लिए गुजरात, दिल्ली और यूपी के बीच टक्कर दिख सकती हैः अंजुम चोपड़ा

नई दिल्ली । विमेंस प्रीमियर लीग 2026 के लिए नीलामी 27 नवंबर को दिल्ली में होनी है। इस बार नीलामी में सबकी नजरें भारतीय टीम की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा पर होंगी। भारतीय टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा का मानना है कि दीप्ति के लिए नीलामी में गुजरात जायंट्स, दिल्ली कैपिटल्स और यूपी वॉरियर्ज के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा दिख सकती है। जियोहॉटस्टार पर अंजुम चोपड़ा ने कहा, 'दीप्ति की ऑलराउंडर क्षमता उन्हें सबसे अहम खिलाड़ी बना रही है। गुजरात जायंट्स को नीलामी में दीप्ति शर्मा पर जरूर विचार करना चाहिए। दिल्ली कैपिटल्स भी उन्हें एक भारतीय खिलाड़ी के तौर पर टारगेट कर सकती है।

रोहित के साथ जायसवाल करेंगे पारी की शुरुआत

ऋतुराज के खेलने की संभावना कमः आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज के लिए घोषित भारतीय टीम में सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ को लगभग 2 साल बाद मौका दिया गया है। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि गायकवाड़ को प्लेइंग इलेवन में जगह मिलने की संभावना कम है। आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'ऋतुराज गायकवाड़ ने इतने रन बनाए हैं कि उनका चयन पक्का हो गया था। अभिषेक शर्मा को भी मौका दिया जा सकता था, लेकिन यशस्वी जायसवाल को पहले मौका मिलना जरूरी है। वह इसके हकदार हैं। मुझे नहीं लगता कि ऋतुराज प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे। रोहित शर्मा के साथ यशस्वी जायसवाल ही पारी की शुरुआत करेंगे।' ऋतुराज गायकवाड़ दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में भारत ए की तरफ से खेलते हुए सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे थे। एक शतक और एक अर्धशतक लगाने वाले गायकवाड़ को इस सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया था। इसी आधार पर 2023 के बाद उनकी वनडे टीम में वापसी हुई है। शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर का इंजरी की वजह से टीम में न होना भी गायकवाड़ की वापसी का कारण बना। यशस्वी जायसवाल को भी टीम में जगह दी गई है, इसलिए गायकवाड़ को शायद ही मौका मिले। हालांकि, ये भी हो सकता है कि गायकवाड़ को मध्यक्रम में मौका दे दिया जाए। गायकवाड़ ने 2022 में वनडे में डेब्यू किया था। कुल 6 मैचों में वह 115 रन बना चुके हैं।

नितीश कुमार रेड्डी को भी वनडे टीम में जगह दी गई है। उनके चयन पर आकाश चोपड़ा ने कहा, 'मैं नहीं समझ पा रहा हूं कि टीम नितीश कुमार रेड्डी से क्या करवाना चाहती है। टेस्ट क्रिकेट में भी यही हाल है। उनसे कभी बल्लेबाजी करवाई जाती है और कभी गेंदबाजी। पर्याप्त मौके दोनों ही विभाग में नहीं दिए जाते। रेड्डी को एक जैसा रोल पाने में मुश्किल हुई है। ' दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला वनडे 30 नवंबर को रांची में, दूसरा वनडे 3 दिसंबर को रायपुर में और तीसरा वनडे 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में खेला जाएगा।

क्या भारतीय बल्लेबाज गुवाहाटी में बरकरार रख पाएंगे पिछले 30 साल का सिलसिला?

गुवाहाटी, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही है। कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था। गुवाहाटी में चल रहे दूसरे टेस्ट में भी भारतीय टीम की स्थिति कमजोर है। भारतीय टीम के प्रदर्शन को देखते हुए 30 साल से चला आ रहा है एक रिकॉर्ड खतरे में आ गया है। पिछले 30 साल में भारत में जितनी भी टेस्ट सीरीज खेली गई हैं, किसी न किसी भारतीय बल्लेबाज ने शतक लगाया है। आखिरी बार 1995 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज में किसी भारतीय बल्लेबाज ने शतक नहीं लगाया था। इसके बावजूद भारतीय टीम उस सीरीज में विजेता रही थी। मौजूदा सीरीज का पहला टेस्ट कोलकाता में खेला गया था। टीम इंडिया पहली पारी में 189 और दूसरी पारी में 93 रन पर सिमट गई थी। इस मैच में 30 रन से भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। एक भी अर्धशतक कोलकाता टेस्ट में किसी भारतीय बल्लेबाज के बल्ले से नहीं निकला था, शतक तो काफी दूर की बात है। गुवाहाटी टेस्ट की पहली पारी में भी भारतीय टीम 201 रन पर सिमट गई। यशस्वी जायसवाल 58 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। एकमात्र अर्धशतक सीरीज में जायसवाल के बल्ले से ही आया है। भारतीय टीम के पास गुवाहाटी टेस्ट की दूसरी पारी है।

इस पारी में भी किसी बल्लेबाज की शतकीय पारी नहीं आई तो भारत मैच गंवा सकता है, साथ ही 30 साल से हर घरेलू सीरीज में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा शतक लगाए जाने का रिकॉर्ड भी टूट सकता है। जायसवाल, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, और ऋषभ पंत बुरी तरह सीरीज में अब तक फ्लॉप रहे हैं, जबकि शुभमन गिल इंजरी की वजह से बाहर हो चुके हैं।

भारतीय महिला टीम ने लगातार दूसरी बार जीता कबड्डी वर्ल्ड कप का खिताब

ढाका, एजेंसी। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने ढाका में महिला कबड्डी वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में चीनी ताइपे को 35-28 से हराया और खिताब अपने नाम किया। यह भारत का लगातार दूसरा वर्ल्ड कप खिताब है, और इससे खेल में उनकी ताकत और साबित होती है। हरियाणा स्टीलर्स के मुख्य कोच मनप्रीत सिंह ने टीम की तारीफ करते हुए कहा, 'विमेंस टीम ने ऐसा परफॉर्मेंस दिया है, जिस पर पूरे देश को गर्व है। उनका विश्वास और टीमवर्क शानदार था। एक पूर्व इंडियन प्लेयर होने के नाते मैं समझता हूं कि इस लेवल तक पहुंचना कितना मुश्किल है। प्लेयर्स और स्टाफ को बहुत-बहुत बधाई।' पूरे टूर्नामेंट में भारतीय टीम शानदार फॉर्म में थी। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने अपने सभी ग्रुप मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां भारत ने ईरान को 33-21 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। चीनी ताइपे ने भी अपने ग्रुप में एक भी मैच नहीं गंवाया और सेमीफाइनल में मेजबान बांग्लादेश को 25-18 से हराया।

पुनेरी पल्टन के मुख्य कोच अजय ठाकुर ने कहा, 'भारत के लिए यह गर्व का पल है, क्योंकि भारतीय महिला कबड्डी टीम ने ढाका में वर्ल्ड कप ट्रॉफी अपने पास रखी। फाइनल और फिर ट्रॉफी तक उनका शानदार प्रदर्शन दिखाता है कि पिछले कुछ सालों में महिला कबड्डी टीम ने कितनी तरक्की की है।' टूर्नामेंट में कुल 11 देशों ने हिस्सा लिया, जिससे पता चलता है कि दुनिया भर में महिला कबड्डी कितनी तेजी से बढ़ रही है।

भारतीय महिला टीम चार मैचों में जीत दर्ज कर आठ पॉइंट्स के साथ ग्रुप ए स्टैंडिंग में टॉप पर रही, जबकि मेजबान बांग्लादेश तीन जीत से छह पॉइंट्स के साथ टेबल में दूसरे स्थान पर रहा। ग्रुप ए में थाईलैंड, युगांडा और जर्मनी दूसरी टीमें थीं। चीनी ताइपे पांच मैचों में पांच जीत से 10 पॉइंट्स के साथ ग्रुप बी स्टैंडिंग में टॉप पर रही। ईरान चार जीत और पांच मैचों में एक हार से आठ पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहा। ग्रुप बी में नेपाल, पोलैंड, केन्या और जांजीबार दूसरी टीमें थीं। टॉप दो टीमें नॉकआउट राउंड में पहुंच गईं, जिसमें भारत ने ईरान को और चीनी ताइपे ने मेजबान बांग्लादेश को हराया।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स शुरुः

राजस्थान में खिलाड़ियों के लिए स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम शुरू

जयपुर, एजेंसी। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि नए भारत का निर्माण विकसित भारत के लक्ष्य के साथ हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने और वर्ष 2036 तक देश में ओलम्पिक खेल के आयोजन की तैयारियों के लिए मार्ग दिखाया है।

डॉ. मांडविया सोमवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने देश में खेलों के विकास के लिए इकोसिस्टम तैयार किया और जमीनी प्रतिभाओं को तराशने के लिए खेलो इंडिया कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई। इसके तहत देश में खेलो इंडिया स्कूल गेम्स, यूथ गेम्स और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन किया जाता है। इससे निकली प्रतिभाओं को खेल स्कूलों एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से उचित ट्रेनिंग दी जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इंटरनेशनल ओलंपिक सेंटर के माध्यम से देश की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा। सेंटर में विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं होंगी, जिससे खिलाड़ियों को बेहतरीन टेªनिंग मिलेगी। उन्होंने कहा कि देश में खेलो इंडिया खेल नीति के तहत खेलों के विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन राजस्थान के 7 संभागों पर किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में देश के कोने-कोने से युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भाग लेने आए हैं। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स केवल एक प्रतियोगिता नहीं है, यह खिलाड़ियों के सपनों की उड़ान की शुरुआत है। इन गेम्स से खिलाड़ी ओलंपिक चैंपियन भी बन सकता है, इसलिए सभी खिलाड़ी पूरी लगन से इन खेलों में हिस्सा लें। शर्मा ने कहा कि जो व्यक्ति खेल के मैदान में संघर्ष करना सीख जाता है और कभी हार नहीं मानता, वह जीवन की हर चुनौती का सामना करने में सक्षम बन जाता है। इन गेम्स में खिलाड़ी सिर्फ पदक जितने नहीं आए हैं, बल्कि अपने भीतर के योद्धा को जगाने आए है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद को उद्धृत करते हुए युवाओं से 'उठों, जागों और देश-दुनिया पर छा जाओं' का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय ऐसा भी था जब पदक देखने के लिए भारत की आंखे तरस जाती थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश ने खेलों की दुनिया में मान-सम्मान अर्जित किया है। हमारी भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने हाल ही में वर्ल्ड कप जीतकर पूरी दुनिया को बता दिया कि बेटियां भी बेटों से कम नहीं हैं। उनके नेतृत्व में आज पार्क में खेलने वाले खिलाड़ियों की प्रतिभा को तराशा जा रहा है। शर्मा ने कहा प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में सांसद और विधायक खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से भी नई प्रतिभाओं को तलाशा जा रहा है। शर्मा ने कहा कि केन्द्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार खेलों को प्रोत्साहन देते हुए खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के लिए हर संभव सुविधा उपलब्ध करवा रही है। राज्य सरकार ने खिलाड़ियों के लिए स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम प्रारंभ की है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेताओं को दुर्घटना एवं जीवन बीमा कवरेज उपलब्ध होगा। वहीं, भारत सरकार के टारगेट ओलंपिक पॉडियम स्कीम से प्रेरणा लेकर राजस्थान टारगेट ओलंपिक पॉडियम शुरू की गई है।

सरकार की दूर संचार डिजिटल योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के गांव तक पहुंचें

गणेश सिंह की अध्यक्षता में दूर संचार सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विंध्य क्षेत्र के 10 जिलों में डिजिटल क्रांति को नई गति देने के उद्देश्य से सतना सांसद श्री गणेश सिंह की अध्यक्षता में संपन्न दूर संचार सलाहकार समिति की बैठक में दूर संचार नेटवर्क विस्तार और सेवा उत्कृष्टता पर विशेष जोर दिया गया। समिति की बैठक में फाइबर-टू-द-होम (एफ्टीटीएच) नेटवर्क के अक्रामक विस्तार की योजना को मंजूरी दी गई, ताकि विस्तारित परिचालन क्षेत्र में व्यवसायों और घरों तक अल्ट्रा हाई स्पीड इंटरनेट पहुंचाया जा सके। विंध्य चेम्बर्स ऑफ कामर्स में सम्पन्न इस बैठक में सतना, सीधी, सिंगरौली और शहडोल के टीएसी सदस्य प्रदीप अरोरा, केके त्रिपाठी, अतुल सिंह परिहार, प्रमोद कुमार शुक्ला, चन्द्रभान पटेल, धर्मेन्द्र सिंह, संजय सिंह, हरिओम गुप्ता, प्रमोद कुमार दुबे, मोतीलाल पटेल, महेश प्रजापति, राजकुमार तिवारी, ज्ञानप्रकाश गुप्ता, सुरेश गिरी, शारदा प्रसाद शर्मा, अंकित शर्मा के अलावा प्रधान महाप्रबंधक यतीश कथेरिया भी

उपस्थित रहे।

सांसद श्री सिंह ने कहा कि दूर संचार सलाहकार समिति उपभोक्ताओं की आवाज है। सतना व्यावसायिक क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक के लिए पारदर्शी तरीके से निर्बाध और विश्व स्तरीय दूर संचार सेवायें पहुंचाना हमारा स्पष्ट लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की दूर संचार की डिजिटल योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के गांव तक पहुंचाने के लिए टीएसी कटिबद्ध है। सांसद श्री सिंह ने मिशन मोड में 4जी सेवाओं के विस्तार के लिए सैचुरेशन (संतृप्ति) की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक में सभी शामिल 10 जिलों के ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्र में अंतर को पाटने एक विस्तृत कार्य योजना प्रस्तुत की गई। बताया गया कि सीधी, सिंगरौली क्षेत्र के कुर्छु, भितरी, अमसी, दुरदुरा, गोरधर, गेरुई, मोहगढ़ी, तख्तुआ, रेडी, परमा, बगदेवा, मडराइच, लमसरी, मनवारी, पुरेंनडोल एवं अमरापान तथा सतना जिले के देवरी में गांव में कार्य प्रगति पर है। अगले चरण में सतना व्यावसायिक क्षेत्र के 86 नये गांवों को 4जी से जोडने की योजना है। जिनमें पन्ना के 4, रीवा के 1, सतना के 4, शहडोल के 59 और सीधी-सिंगरौली के 18 गांव शामिल है।

समिति की बैठक में बताया गया कि ग्रामीण सशक्तीकरण की दिशा में नई उपलब्धि दर्ज कराते हुए सतना व्यावसायिक क्षेत्र में 250 से अधिक ग्राम पंचायतें अब हाईस्पीड ब्रांड बैंड सेवा के लिए तैयार है। शेष पंचायतों को अगली तिमाही तक जोडने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। दूर संचार शिकायतों के निराकरण पर सांसद श्री गणेश सिंह ने कहा कि शिकायतों के निराकरण पर उपभोक्ताओं की संतुष्टि के प्रति सक्रिय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। सीधी, शहडोल और सिंगरौली के सदस्यों द्वारा उठाये गये टावर कनेक्टिविटी और बिलिंग के मुद्दों को प्राथमिकता से निराकृत करने के निर्देश भी दिये। विकास कार्यो सडक, नल जल योजना, सीवर लाइन, गैस पाइप लाइन आदि के कार्यो के दौरान एजेंसियों द्वारा बीएसएनएल की फाइबर क्षति ग्रस्त होने की रोकथाम के लिए सीबीयूडी ऐप का प्रयोग व्यापक तरीके से करने का आग्रह किया गया। प्रधान महाप्रबंधक यतीश कथेरिया ने कहा कि बीएसएनएल समिति के दृष्टिकोण को पूरा करने और उपभोक्ताओं के अनुभवों को बेहतर बनाने सभी निर्णयों को समय-सीमा के भीतर लागू किया जायेगा। सतना व्यावसायिक क्षेत्र प्रमुख दूर संचार केन्द्र है। जो पन्ना, सीधी, सिंगरौली, शहडोल और रीवा सहित 10 जिलों के परिचालन क्षेत्रों को समाहित करता है।

धान खरीदी में देरी से किसान परेशान, औने-पौने दाम पर बेचने को मजबूर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रवि सीजन की शुरुआत के साथ ही किसान बुवाई-जुताई में जुट गए हैं, लेकिन धान खरीदी शुरू न होने से किसानों की आर्थिक परेशानियां बढ़ गई हैं। इस समय किसानों को खाद, बीज, डीज़ल और अन्य कृषि सामग्री के लिए सबसे ज्यादा पैसों की जरूरत होती है, मगर सरकारी खरीदी केंद्र बंद पड़े हैं। खरीफ की मुख्य फसल धान किसानों के घरों में भरी है और खरीदी न खुलने के कारण किसान आर्थिक संकट में फंस गए हैं। मजबूरी में उन्हें व्यापरियों को मात्र 15-16 रुपए प्रति किलो के भाव धान बेचना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि सरकार ने 3100 रुपए प्रति क्विंटल की खरीदी का दावा किया था, लेकिन हक़ीक़त इससे बिल्कुल विपरीत है।

दिदौंध के किसान हरिहर प्रसाद त्रिवेदी ने बताया कि इस बार 50 क्विंटल धान निकला, लेकिन उचित दाम न मिलने से भारी नुकसान हो रहा है। वहीं कोठी के नीलेंद्र दुबे ने कहा कि मंडी न खुलने के कारण व्यापारियों को कम भाव पर ही धान बेचना पड़ा, जबकि आगे की खेती और कर्ज़ का दबाव अलग है।

किसानों ने शासन से तत्काल धान खरीदी केंद्र खोलने, समर्थन मूल्य सुनिश्चित करने और व्यापारियों की मनमानी पर रोक लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि धान का सही दाम नहीं मिला, तो आगे की खेती प्रभावित होना तय है।

धवारी स्टेडियम पर उलझन, बिना उद्घाटन कैसे होगा सांसद खेल महोत्सव?

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सांसद खेल महोत्सव को लेकर आज आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कार्यक्रम की जानकारी तो दी गई, लेकिन धवारी स्टेडियम को लेकर सबसे बड़ा सवाल अब भी अनसुलझा है— स्टेडियम का उद्घाटन हुए बिना महोत्सव कैसे आयोजित होगा?

धवारी स्टेडियम स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत निर्मित है, जिसका नियंत्रण कलेक्टर (स्मार्ट सिटी चेयरमैन) और नगर निगम कमिश्नर (स्मार्ट सिटी सीईओ) के पास है। सूत्र बताते हैं कि स्टेडियम का आधिकारिक हस्तांतरण अब तक नहीं हुआ है, ऐसे में खिलाड़ियों को प्रवेश की अनुमति किस आधार पर दी जाएगी, यह स्पष्ट नहीं है।

गौरतलब है कि पिछले महीनों में कई खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को स्टेडियम में प्रवेश से रोक दिया गया था। अब यदि खेल महोत्सव के लिए यही स्टेडियम खोला जाता है, तो प्रशासनिक निर्णयों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सूत्रों का कहना है कि कलेक्टर ने पूर्व में निर्देश दिए थे कि 50 लाख से अधिक लागत वाले किसी भी परियोजना का उद्घाटन मुख्यमंत्री स्तर से ही होगा।

खेल प्रेमियों में चर्चा है कि क्या सांसद खेल महोत्सव के लिए बिना उद्घाटन स्टेडियम खोला जाएगा या मुख्यमंत्री के आगमन तक कार्यक्रम स्थगित किया जाएगा। फिलहाल प्रशासन की ओर से किसी भी प्रकार का आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, जिससे स्थिति और अधिक उलझी हुई दिखाई दे रही है।

भावांतर योजना में सोयाबीन का मॉडल रेट आज 4277 रुपए

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भावांतर योजना 2025 के अंतर्गत सोयाबीन विक्रेता किसानों के लिए मंगलवार 25 नवंबर को 4277 रुपए प्रति क्विंटल का मॉडल रेट जारी किया गया है। यह मॉडल रेट उन किसानों के लिए है जिन्होंने अपनी सोयाबीन की उपज मंडी प्रांगणों में विक्रय की है। इस मॉडल रेट के आधार पर ही भावांतर की राशि की गणना की जाएगी। मॉडल रेट और न्यूनतम समर्थन मूल्य के भावांतर की राशि राज्य सरकार द्वारा दी जा रही है। सोयाबीन का पहला मॉडल रेट 7 नवंबर को 4020 रुपए प्रति क्विंटल जारी किया गया था। इसी तरह 8 नवंबर को 4033 रुपए, 9 और 10 नवंबर को 4036 रुपए, 11 नवंबर को 4056 रुपए, 12 नवंबर को 4077 रुपए, 13 नवंबर को 4130 रुपए, 14 नवंबर को 4184 रुपए, 15 नवंबर को 4225 रुपए, 16 नवंबर को 4234 रुपए, 17 नवंबर को 4236 रुपए, 18 नवंबर को 4255 रुपए, 19 नवंबर को 4263 रुपए, 20 नवंबर को 4267 रुपए, 21 नवंबर को 4271 रुपए और 22 नवंबर को 4285 रुपए, 23 और 24 नवंबर को 4282 रुपए प्रति क्विंटल का मॉडल रेट जारी हुआ था। राज्य सरकार की गारंटी है कि किसानों को हर हाल में सोयाबीन के न्यूनतम समर्थन मूल्य की 5328 रुपए प्रति क्विंटल की राशि मिलेगी।

जिले की जनसुनवाई में आये 15 आवेदन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने मंगलवार को जनसुनवाई में जिले के विभिन्न अंचलों से प्राप्त 15 आवेदनों पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए। इस मौके पर अपर कलेक्टर संजना जैन, एसडीएम दिव्या पटेल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

साप्ताहिक हाट बाजार के लिए जिला स्तरीय दल गठित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्राकृतिक एवं जैविक खेती की पैदावार की उचित मार्केटिंग के लिए सतना एवं मैहर जिले में सप्ताह में कम से कम एक दिन उत्पादों के विक्रय के लिए बाजार लगाना नियत किया गया है। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास आशीष पाण्डेय ने बताया कि मैहर जिले की कृषि उपज मंडी परिसर शेड क्रमांक-1 हरनामपुर में प्रत्येक बुधवार को साप्ताहिक हाट बाजार लगाई जायेगी। जिसके लिए अनुविभागीय कृषि अधिकारी अमरपाटन अमित पाण्डेय को नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए जिला स्तरीय दल का गठन किया गया है। दल में रितेन्द्र बागरी, आकांक्षा सिंह और सत्येन्द्र नामदेव शामिल है।

इसी प्रकार कृषि उपज मंडी सतना में प्रत्येक बुधवार को लगने वाली साप्ताहिक हाट बाजार के क्रियान्वयन के लिए अनुविभागीय कृषि अधिकारी सतना आरएस बागरी को नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए राजललन बागरी, अमित बागरी, पूजा पाण्डेय और विनीता द्विवेदी को जिला स्तरीय दल में शामिल किया गया है।

लापता बच्चे का शव कुएं में मिला, परिजनों ने हत्या की आशंका जताई; 22 नवंबर से था गायब

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में स्थित गांधी ग्राम से 22 नवंबर की रात लापता हुए 11 वर्षीय राजन वर्मा उर्फ नन्हे का शव मंगलवार को रामपुर चौरासी के पास एक कुएं में मिला। शव की पहचान होने के बाद परिजनों ने राजन की मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है।

जानकारी के अनुसार, राजन 22 नवंबर की रात गांधी ग्राम में एक शादी समारोह में शामिल होने गया था। समारोह के दौरान वह अचानक लापता हो गया था। परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल पाया था।

मंगलवार दोपहर ग्रामीणों ने कुएं में एक शव देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। घटना स्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन एकत्र हो गए। परिजनों ने आरोप लगाया कि बच्चा खुद कुएं में नहीं गिर सकता, उसे किसी ने मारकर कुएं में फेंका है।

मौके पर पहुंची सिविल लाइन थाना पुलिस ने भीड़ को शांत कराया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बच्चे की मौत दुर्घटना है या हत्या, इसका खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

जानलेवा हमले के 3 आरोपियों को भेजा

बाइक खड़ी करने पर किया था जानलेवा हमला, महिला आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के रैगांव थाना क्षेत्र के मढ़ीकला गांव में मोटरसाइकिल खड़ी करने को लेकर हुए विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। 13 अक्टूबर की रात हुए प्राणघातक हमले के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस घटना में एक ही परिवार के सात लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे।

थाना प्रभारी आरपी त्रिपाठी ने बताया कि घटना तब शुरू हुई जब आरोपियों ने घर के दरवाजे पर खड़ी बाइक हटाने से रोका। इसी बात पर विवाद बढ़ा और आरोपियों ने वीरेन्द्र चौधरी (48) और उनके परिवार पर हमला कर दिया।

चार महिलाओं सहित कुल सात लोग घायल हुए, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस ने मामले में राहुल चौधरी (30), रोहित चौधरी (22) और मोहित चौधरी (21) को आरोपी बनाया। शुरू में साधारण मारपीट का मामला दर्ज हुआ था, लेकिन मेडिकल रिपोर्ट और जांच के बाद गंभीर धाराएं जोड़ी गईं। सोमवार को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, इस मामले में एक महिला आरोपी अभी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं।

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड द्वारा 171 ट्रक ड्राइवरों एवं उनके सहायकों का किया गया नि:शुल्क नेत्र एवं सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड द्वारा अपने सामजिक उत्तरदायित्वों के अंतर्गत दिनॉक 20.11.2025 एवं 21.11.2025 को दो दिवसीय नि:शुल्क नेत्र एवं सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन समरिटन हास्पिटल एवं सोशल सर्विस सोसायटी सतना के सहयोग से भारतीय स्टेट बैंक के सामने पीपीएस यार्ड में किया गया। जिसमें 148 ट्रक ड्राइवरों एवं उनके सहायकों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, ब्लड प्रेशर एवं ब्लड शुगर की जांच की गई तथा आवश्यकतानुसार दवाईयॉं प्रदान की गई। साथ ही साथ शिविर में 23 अन्य मरीजों की सामान्य जॉंच भी की गई। इस शिविर में नेत्र जॉंच कर आवश्यकतानुसार 66 मरीजों को नि:शुल्क चश्में प्रदान किये गये। उपरोक्त जानकारी देते हुये प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड के एजीएम सीएसआर एंड पब्लिक रिलेशन देवेन्द्र मिश्रा ने बताया कि इस विशेष चिकित्सा शिविर का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लवकुश सिंह समाजसेवी बम्हौरी, विशिष्ट अतिथि अरूण सिंह बघेल, प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट (एच.आर.एम. एंड कार्पोरेट अफेयर्स) डॉ0 मनीष कुमार सिन्हा, वीपी मेडिकल सर्विसेस डॉ. डी.डी. मिश्रा, जेजीएम लाजिस्टिक परमजीत सिंह व सोशल सर्विस सोसायटी सतना के प्रोग्राम आफीसर मन्नू जोसेफ एवं पीआरओ पंकज उर्मलिया के द्वारा भगवान धन्वंतरि की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लवकुश सिंह जी अपने सम्बोधन में कहा कि ड्राइवर की उत्पादक प्लांटों की ग्रोथ में अहम भूमिका होती है। क्योंकि यही वह कड़ी बनते हैं जो निर्मित माल को गंतव्य स्थान तक लाने एवं ले जाने का कार्य करते है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष सीनियर वाइस प्रेसीडेंट (एच.आर.एम. एंड कार्पोरेट अफेयर्स) डॉ मनीष कुमार सिन्हा ने अपने सम्बोधन में कहा कि ड्राइवरों को नेत्र परीक्षण समय-समय पर कराते रहना चाहिये जिससे संभावित दुर्घटनाओं से बचा जा सके। जब स्वस्थ्य रहेंगे तभी कोई कार्य ढंग से कर पायेंगे। इसी बात को ध्यान में रखते हुये प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड द्वारा अपनी जिम्मेदारी को समझते हुये इस चिकित्सा शिविर का आयोजन किया है। इसलिये इनकी सेहत का स्वस्थ होना बहुत ही आवश्यक है।

16 महीने से स्कूल नहीं आया शिक्षक, निलंबित

रजिस्टर में साइन करने के बाद रहता था गायब, डीईओ ने की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में एक प्राथमिक शिक्षक को 16 माह बाद निलंबित कर दिया गया है। रामपुर बाघेलान ब्लॉक के शासकीय माध्यमिक शाला खेरिया पैपाखर गांव में पदस्थ प्राथमिक शिक्षक सतानंद आदिवासी पर हाजरी रजिस्टर में साइन करने के बाद स्कूल से गायब रहने का आरोप है। उन्हें जिला शिक्षा अधिकारी ने निलंबित कर नागौद बीईओ कार्यालय से अटैच किया है।

जुलाई 2024 में जारी हुआ था नोटिस: शिक्षक सतानंद आदिवासी के खिलाफ करीब 16 माह से शिकायतें मिल रही थीं कि वे रजिस्टर में हस्ताक्षर करने के बाद गायब

रहते हैं। इस संबंध में उन्हें पहली बार 31 जुलाई 2024 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। हालांकि, शिक्षक ने न तो नोटिस का कोई जवाब दिया और न ही अपने कार्यशैली में सुधार किया। सुधार न होने पर प्राथमिक शिक्षक सतानंद आदिवासी को 9 अगस्त को दूसरी बार नोटिस देकर तलब किया गया, लेकिन इस बार भी कोई उत्तर नहीं मिला।

इसके बाद चोरहटा संकुल प्राचार्य को मामले की जांच सौंपी गई। प्राचार्य ने अपनी जांच रिपोर्ट दिनांक 20 फरवरी 2025 को प्रस्तुत की, जिसमें उन्होंने शिक्षक के कृत्य को अनियमितता और स्वेच्छाचारिता की श्रेणी में बताया। उन्होंने संस्था से अनुपस्थित रहने के कारण अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव भेजा।

जांच रिपोर्ट और संकुल प्राचार्य के प्रस्ताव के आधार पर, बीईओ ने 14 नवंबर को कार्रवाई का प्रस्ताव जिला शिक्षा अधिकारी को भेजा। इसी के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने शिक्षक सतानंद आदिवासी को निलंबित करने का आदेश जारी किया। यह कार्रवाई लगभग 16 माह की शिकायतों और जांच प्रक्रिया के बाद की गई है।

मैहर में जैव विविधता क्विज की जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य जैव विविधता क्विज कार्यक्रम 2025 के अंतर्गत प्रथम चरण की जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन मंगलवार को मैहर जिले के विभिन्न विद्यालयों में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में शासकीय एवं अशासकीय 61 स्कूलों की टीमों ने भाग लिया। आफ्लाइन मोड में जैव विविधता से संबंधित 90 वस्तुनिष्ठ प्रश्न एक घण्टे में पूरे करने के लिए दिये गए थे। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ओरिजिन एकेडमी स्कूल अमदरा को प्राप्त हुआ। जबकि द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर क्रमशः विजय कॉन्वेंट हायर सेकंडरी स्कूल अमरपाटन एवं

सांदीपनि विद्यालय मैहर की टीम रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी के द्वारा विजेता स्कूलों की टीमों को पुरस्कृत किया गया।

आगामी 12 दिसंबर 2025 को प्रतियोगिता का द्वितीय चरण अर्थात राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन होना है। जिसमें प्रत्येक जिले से जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम आई विद्यालय टीम ऑनलाइन मोड से प्रतियोगिता में भाग लेगी। इस अवसर पर वन परिक्षेत्राधिकारी मैहर शुभम खरे सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।